

इंदौर में शासकीय भूमि से कब्जा हटाने और अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध चल रहे अभियान को और अधिक तेज कर प्रभावी बनाया जाएगा

कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में समय-सीमा पत्रों के निराकरण (टीएल) की समीक्षा बैठक सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज समय-सीमा पत्रों के निराकरण (टीएल) की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों में लंबित समय-सीमा पत्रों तथा जनसमस्याओं के निराकरण की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में शासकीय भूमि से अतिक्रमण और अवैध कब्जा हटाने तथा अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध चल रहे अभियान को और अधिक तेज कर प्रभावी बनाया जाए।

दो करोड़ 99 लाख रुपये की लागत से पालिया में शीघ्र बनेगा नया अस्पताल : मंत्री श्री सिलावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट की उपस्थिति में सेवा सेतु अभियान के तहत विकासखंड सांवेर के ग्राम पालिया में वृहद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सविल हॉस्पिटल सांवेर एवं अरबिंदो अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार एवं आवश्यक दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया। क्षेत्र के नागरिकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया।

मंत्री श्री सिलावट ने शिविर में उपस्थित जनसमुदाय, जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों-कर्मचारियों को कुछ उन्मूलन की शपथ दिलाई। सभी ने अपने ग्राम, नगर, प्रदेश और देश को कुछ मुक्त बनाने का संकल्प लिया। श्री सिलावट ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की सहज उपलब्धता आवश्यक है। उन्होंने घोषणा की कि पालिया की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए शीघ्र ही

नमामि गंगे परियोजना के तहत निर्माणाधीन एसटीपी प्लांटों का आयुक्त ने किया निरीक्षण



में तेजी लाने के लिए नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने सोमवार सुबह विभिन्न निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया। आयुक्त ने कबिटरखेड़ी, किला मैदान मंडी कार्यालय के पीछे और बेगमखेड़ी स्थित निर्माणाधीन एसटीपी प्लांटों का जायजा लेते हुए अधिकारियों और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री सिंघल ने कबिटरखेड़ी में 120 एमएलडी, किला मैदान मंडी कार्यालय के पीछे 35 एमएलडी तथा बेगमखेड़ी में 40 एमएलडी क्षमता के निर्माणाधीन एसटीपी प्लांटों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से वर्तमान निर्माण स्थिति, अब तक किए गए कार्य और आगामी कार्ययोजना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। आयुक्त ने निर्माण कार्य में अपेक्षित गति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि आवश्यकतानुसार मैपपावर और संसाधनों में वृद्धि की जाए, ताकि निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा किया जा सके। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। आयुक्त श्री सिंघल ने शहर में उपचारित जल की अधिकतम उपलब्धता और उसके प्रभावी उपयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एसटीपी से उपचारित होने वाले जल के उपयोग और उपलब्धता की बेहतर व्यवस्था तैयार की जाए, जिससे उपचारित जल का अधिक से अधिक उपयोग हो सके और जल संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा मिले।

एमपी पुलिस पब्लिक स्कूल में लगी सड़क सुरक्षा की पाठशाला

यातायात पुलिस ने विद्यार्थियों को समझाए सड़क सुरक्षा और यातायात नियम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के दिशा-निर्देशन में यातायात प्रबंधन पुलिस इंदौर द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 5 अक्टूबर 2026 को एमपी पुलिस पब्लिक स्कूल, महेश गार्ड में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।



पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने के साथ ही सड़क पर स्वयं और दूसरों की सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान दोपहिया वाहन चलते समय हेलमेट पहनने की अनिवार्यता पर विशेष जोर दिया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि हेलमेट केवल चालानी कार्रवाई से बचने का साधन नहीं है, बल्कि सड़क दुर्घटना की स्थिति में जीवन की रक्षा करने वाला महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच है। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों

से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी इसके लिए जागरूक करें।

जागरूकता कार्यक्रम को विद्यार्थियों के लिए रोचक बनाने के उद्देश्य से यातायात नियमों पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने यातायात नियमों का पालन करने की शपथ ली। विद्यालय प्रबंधन ने यातायात पुलिस इंदौर द्वारा चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की। प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अन्त्यावसायी विकास निगम की सहायक ग्रेड-3 को शौकाज नोटिस देने, राशन कार्ड संबंधी शिकायत पर जांच कर दोषी अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करने, नामांतरण नहीं होने संबंधी शिकायत के निराकरण में लापरवाही करने पर विस्तृत जांच करने, इंदौर विकास प्राधिकरण की एक शिकायत में संपदा अधिकारी तथा संपदा अधिकारी वर्ग-2 का पांच दिवस का वेतन काटने और कृषि महाविद्यालय में एक छात्र को आवास भत्ते

छूटे एवं विलोपित मतदाताओं का पुनः परीक्षण कर पात्रता अनुसार नाम जोड़ने का अभियान जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार निर्वाचक नामावली के निरंतर अद्यतन तथा पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 10 अक्टूबर तक चलेगा। चलाए जा रहे विशेष अभियान की प्रगति की आज कलेक्टर कार्यालय में आयोजित बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा द्वारा समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नवजीवन विजय पवार ने सभी ईआरओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निर्देश दिए गए कि अभियान के तहत पात्र मतदाताओं को चिन्हित कर उनके नाम निर्वाचक नामावली में जोड़ने की कार्यवाही निर्धारित अवधि में प्रशामिकता के साथ सुनिश्चित की जाए। साथ ही जिले में 18 से 19 वर्ष के छूटे हुए एवं प्रथम बार पात्र मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित करने के लिए विशेष अभियान

चलाया जा रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान विभिन्न कारणों से निर्वाचक नामावली से विलोपित किए गए मतदाताओं के प्रकरणों का पुनः परीक्षण कर पात्रता के अनुसार उनके नाम सम्मिलित किये जायें। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान जिन निर्वाचक नामावलीयों के आधार पर कार्यवाही की गई थी, उसके पश्चात यदि किसी मतदान केन्द्र में परिवर्तन हुआ है, तो संबंधित सूचियों का मिलान किया जाए। मिलान के उपरांत सूची में छूटे पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने की कार्यवाही की जाए। ईआरओ द्वारा इस सूची को विशेष रूप से तैयार कराया जाएगा तथा ईआरओ द्वारा प्रतिदिन इस कार्य की समीक्षा की जाएगी।

ईआरओ स्तर पर हेल्पडेस्क स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि नागरिकों को निर्वाचक नामावली में नाम जुड़वाने तथा निर्वाचन संबंधी अन्य प्रक्रियाओं की जानकारी एवं आवश्यक सहायता सहज रूप से उपलब्ध हो सके। साथ ही

व्यक्त की। इस अवसर पर पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर भी जोर दिया गया। शासन की विभिन्न की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से छात्राओं द्वारा कई रील्स तैयार की गईं। छात्राओं ने रचनात्मक एवं डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हुए योजनाओं की जानकारी को सरल, रोचक एवं प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया। इस पहल के माध्यम से युवा वर्ग को शासकीय योजनाओं से जोड़ने एवं जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभागीय स्तर पर कौशल विकास से जुड़ी गतिविधियों को भी विशेष स्थान दिया गया। संस्था के फैशन टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा वायर आभूषण निर्माण विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें छात्राओं ने वायर के माध्यम से आकर्षक एवं रचनात्मक आभूषण तैयार करने की तकनीक सीखी। वहीं संस्था के आर्किटेक्चर एवं इंटीरियर डिजाइन विभाग

द्वारा फेरी गार्डन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। छात्राओं ने रचनात्मक डिजाइन, सजावट एवं लैंडस्केपिंग की तकनीकों का प्रयोग करते हुए आकर्षक फेरी गार्डन तैयार किए। इन गतिविधियों ने छात्राओं की सृजनात्मक क्षमता के साथ-साथ उनके व्यावहारिक कौशल को भी बढ़ावा दिया। जबकि संस्था के होटल मैनेजमेंट एवं कैटरिंग विभाग के द्वारा डोनट एवं मफ़ीन मेकिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती विजया शिंदे ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य छात्राओं को केवल तकनीकी शिक्षा तक सीमित न रखते हुए उन्हें सामाजिक रूप से जागरूक, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील, स्वास्थ्य के प्रति सजग और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में दक्ष नागरिक के रूप में विकसित करना है। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियों में छात्राओं की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण भागीदारी यह दर्शाती है कि युवा शक्ति सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। महाविद्यालय द्वारा शिक्षा, कौशल, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी के समन्वय से छात्राओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से महाविद्यालय की छात्राओं ने यह संदेश दिया कि तकनीकी शिक्षा के साथ सामाजिक चेतना, पर्यावरण संरक्षण, रचनात्मकता और नवाचार को जोड़कर ही सशक्त एवं जिम्मेदार समाज की दिशा में सार्थक कदम बढ़ाया जा सकता है।

फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि संवेदनशील एवं सार्वजनिक स्थलों पर फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण किया जाए। जहां आवश्यक अग्नि सुरक्षा प्रबंध नहीं पाए जाएं, वहां संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अग्नि सुरक्षा मानकों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन पवार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, वनमंडलाधिकारी श्री सुधाकर सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं। बताया गया कि प्रारूप-6 के साथ संलग्न घोषणा पत्र का उपयोग केवल विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रुक्चर) के दौरान ही किया जाएगा। गैर-एसआईआर अवधि में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1960 के अनुसार लागू प्रपत्रों का ही उपयोग किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में बी.एल.ओ. की बैठक आयोजित कर उन्हें डोर-टू-डोर सर्वे के माध्यम से पात्र मतदाताओं को चिन्हित करने तथा उनके नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित कराने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। नवीन बसाहटों में भी विशेष अभियान चलाकर वहां निवासरत पात्र मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में जोड़ने की कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया। निर्देश दिए गए कि कोई भी पात्र मतदाता निर्वाचक नामावली में नाम जुड़वाने से वंचित न रहे।

विदेश यात्रा से लौटते ही बिजासन पहुंचे महापौर



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। करीब दो सप्ताह के विदेश प्रवास से लौटे महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने इंदौर पहुंचते ही आगामी नवरात्रि पर्व की तैयारियों का जायजा लिया। एयरपोर्ट से सीधे बिजासन टेकरी पहुंचे महापौर ने मां बिजासन माता मंदिर में दर्शन किए और मंदिर परिसर में नवरात्रि के दौरान होने वाली व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

नवरात्रि के दौरान बिजासन माता मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए महापौर ने मंदिर परिसर, श्रद्धालुओं की आवाजाही, मेले की व्यवस्थाओं सहित नगर निगम की ओर से की जाने वाली तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों और मंदिर प्रबंधन के सदस्यों से चर्चा कर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

महापौर ने मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रखने, आने-जाने के मार्ग और अन्य जरूरी सुविधाओं पर भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों ने नवरात्रि को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी महापौर को दी।

महापौर भार्गव करीब दो सप्ताह के विदेश प्रवास पर थे। इंदौर लौटने के बाद उन्होंने सबसे पहले आगामी त्योहारी आयोजनों की तैयारियों का जायजा लिया। एयरपोर्ट से सीधे बिजासन टेकरी पहुंचना और वहां नवरात्रि की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करना उनके दौर का प्रमुख हिस्सा रहा। इस दौरान कार्य प्रभारी राजेंद्र राठौड़, एमआईसी सदस्य अभिषेक 'बबलू' शर्मा, नंदकिशोर पहाड़िया, नगर निगम के जोनल अधिकारी तथा मंदिर प्रबंधन के सदस्य मौजूद रहे।

भारतीय पत्रकारिता महोत्सव के समापन सत्र में विभिन्न प्रेस क्लब के अध्यक्षों ने दिया उद्बोधन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोलकाता प्रेस क्लब के अध्यक्ष सोहनशीष सुर ने कहा कि पूरे विश्व में प्रिंट मीडिया का नेगेटिव ग्रोथ हो रहा है कि केवल भारत एक ऐसा देश है जहां पर क्षेत्रीय पत्रकारिता के बदैलत प्रिंट मीडिया का एक प्रतिशत पॉजिटिव ग्रोथ हो रहा है। हाल ही में सामने आई ईएनवाय की रिपोर्ट में इस हकीकत को उजागर किया गया है। हमारे देश में दो देश हैं, एक देश ईंडिया है तो दूसरा देश भारत है। लोकतंत्र विकास में क्षेत्रीय भाषाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। जितने क्षेत्रीय भाषा के पत्रकार बढ़ेंगे सभी देश का लोकतंत्र और मजबूत होगा।

चंडीगढ़ प्रेस क्लब के अध्यक्ष सौरभ दुग्गल ने कहा कि हम बाजार से कुछ खरीदते हैं तो उसकी कीमत पूरी चुकाते हैं। अखबार या पत्रिका की कीमत पाठक नहीं देता है। पाठक बहुत कम पैसा देता है। ऐसे में अंतर की राशि विज्ञापन डाटा के द्वारा चूकाई जाती है। अखबार की कीमत 220 होती है और यदि



इतनी कीमत रख देंगे तो कोई खरीदोगा भी नहीं। आज व्यक्ति अभ्यास बच्चों का ज्ञान बढ़ाने के लिए लेता है। लोकतंत्र को बचाने के लिए व्यक्ति न्याय पालिका और अखबार पर ही भरोसा करता है।

छोटा पत्रकार ही लड़ रहा है- फेडरेशन ऑफ़ प्रेस क्लब के अध्यक्ष गौतम लाहिड़ी ने

कहा कि जो छोटा पत्रकार है वहीं आज लड़ाई लड़ रहा है। अब हम सारे प्रेस क्लब को जोड़कर एक साथ मिल कर काम करना है। दिल्ली प्रेस क्लब क्लब को छोड़कर 9 बड़े प्रेस क्लब इस फेडरेशन में जुड़ गए हैं। सरकार के मीडिया नियंत्रण की कोशिश पर हमने चर्चा की है। इस नियंत्रण से मीडिया को कैसे बाहर

किया जाए उसे पर विचार किया जा रहा है। भारत में कोई नेशनल मीडिया पॉलिसी नहीं है। इसके लिए हमने बिल तैयार किया है। इस बिल को सारे दल मिलकर इस बिल को मंजूरी दिलवाएंगे। पत्रकारों की मदद के लिए एक लीगल टीम बनाना चाहिए।

बहुत ताकतवर है क्षेत्रीय पत्रकारिता - श्रवण गर्ग- वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग ने कहा कि पत्रकारों की मदद के लिए लीगल सेल बनना चाहिए। ईमानदारी से पत्रकारिता करें तो आपको कोई हानि नहीं लगेगी पाएगा। मेरे संस्कार सरकार के विरोध के हैं। मुझे कभी दिक्कत नहीं आई। क्षेत्रीय पत्रकारिता ही मैंने जीवन में की है। मैंने इस पत्रकारिता को ही आगे बढ़ाया है। मैं हमेशा छोटे पत्रकारों की रक्षा की। जल, जंगल, जमीन खत्म हो रहे हैं। गांव का दूध भी सब्जी शहर में आ रही है। इसी तरह से पत्रकार भी खत्म हो रहा है। पेड़ की तरह गांव में पत्रकारों के सिर काटे जा रहे हैं। इनकी रक्षा करने की पहल करना चाहिए।

सिंगोली में सर्वे नंबर 70 पर महारसंग्राम: रसूखदारों को बेचे सरकारी प्लॉट, अब सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज हुई बड़ी शिकायत

राजस्व महकमे और नगर परिषद की साटगांट के आरोप, पूर्व में जेल जा चुके हैं पटवारी और कॉलोनाइजर

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कस्बे में आसमान छूती जमीनों की कीमतों के बीच राजस्व विभाग की बहुमूल्य शासकीय भूमि पर भू-माफियाओं के कब्जे और अवैध कॉलोनाइजेशन का जिन्न एक बार फिर बाहर आ गया है।

सिंगोली के बहुचर्चित भू-सर्वे नंबर 70 की सरकारी जमीन पर चल रहे अवैध निर्माण और कथित प्रशासनिक साटगांट को लेकर क्षेत्र के जागरूक नागरिक राधेश्याम तिवारी ने सीधे मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (181) का दरवाजा खटखटाया है। शिकायतकर्ता ने नगर परिषद सिंगोली और विद्युत वितरण कंपनी को कटघरे में खड़ा करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं, जिससे स्थानीय प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है।

बिना लाइसेंस बिछाया सड़कों का जाल, तहसीलदार पर भी उठे सवाल- शिकायतकर्ता राधेश्याम तिवारी का आरोप है कि भू-माफियाओं ने स्थानीय राजस्व अमले के कुछ कर्मचारियों से सांटांटा कर शासकीय रकबे की इस कीमती जमीन पर अवैध रूप से कब्जा जमाया और रसूखदारों को लाखों रुपये में भूखंड काटकर बेच दिए।

सिखवाल ब्राह्मण समाज की भूमि व भवन पर अवैध कब्जे के प्रवास की समाजजनों ने की निंदा



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिखवाल ब्राह्मण महासभा की बैठक मंदसौर में 4 अक्टूबर रविवार को संपन्न हुई। बैठक का मुख्य विषय जगाखेड़ी मंदसौर स्थित समाज की भूमि और भवन व ओंकारेश्वर में समाज के भवन हेतु भूमि क्रय करने की पूर्व बनी योजना का क्रियान्वयन और समाज बंधुओं से सहयोग हेतु चर्चा करना था। समाज के विकास हेतु सभी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य रूप से समाज के बंधुओं ने अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। ज्ञात हो कि समाज के वरिष्ठ, परम श्रद्धेय स्वर्गीय पंडित गजानंदजी व्यास (गजा गुरु) द्वारा समाज के हितार्थ अपनी निजी भूमि दान स्वरूप प्रदान की गई थी। उस भूमि पर वर्ष 2001 में सिखवाल ब्राह्मण समाज के सभी समाज बंधुओं के आर्थिक सहयोग से भवन का निर्माण किया गया था, जिस पर -श्री ॠषि विश्व विद्यालय, जगा खेड़ी, मंदसौर (म.प्र.) 2001- अंकित था। इन लोगों द्वारा हाल ही में उक्त नाम को मिटाकर, तोड़-फोड़ कर दूसरा नाम लिख दिया गया है। भवन के अंदर समाज के कीमती पीतल व तांबे के बड़े-बड़े बर्तन व समाज का सामान, जिनकी कीमत लाखों रुपये थी, उनके गायब होने व अपहरा-तफरी की आशंका समाज जनों को है। इस संबंध में वस्तुस्थिति जानने हेतु बैठक के उपरति प्रांतीय अध्यक्ष कन्हैयालाल व्यास के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सिखवाल ब्राह्मण समाज के समस्त सदस्यगण व समाज के गणमान्य नागरिक उक्त स्थल पर पहुंचे। पूर्व में 29 सितंबर को मंदसौर पुलिस अधीक्षक को भी समाज के अध्यक्ष ने आवेदन दिया है। वहां पर नारायण पिता स्व. गजानंद व्यास एवं चैतन्य पिता स्व. गजानंद व्यास द्वारा प्रांतीय अध्यक्ष एवं समाजजनों के साथ अत्यंत अपभद्र, अशोभनीय भाषा का प्रयोग करते हुए दुर्व्यवहार किया गया तथा जान से मारने की धमकी दी गई। सिखवाल ब्राह्मण महासभा ने निणयं लिया है कि इस तरह के असामाजिक तत्वों के विरुद्ध शासन स्तर पर कानूनी कार्यवाही तथा समाज स्तर पर सामाजिक कार्यवाही की जाएगी, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति समाज की संपत्ति पर इस प्रकार का कृत्य करने का दुस्साहस न करे। बैठक में मुख्य रूप से समाज के सम्माननीय पदाधिकारी बंधु कन्हैयालाल व्यास, चंद्रप्रकाश पुरोहित, गोपाल कृष्ण त्रिपाठी, महेश शर्मा, भरत पुरोहित, राजू पुरोहित, ओमप्रकाश तिवारी, रावू तिवारी, मेरेश बोरा, कैलाश ओझा, रविन्द्र पाण्डेय, गोपाल ऋषिकेश, लक्ष्मी नारायण जोशी नीमच, गोवर्धन तिवारी, भोले शंकर त्रिपाठी, पुरुषोत्तम त्रिपाठी, दिनेश उपाध्याय, रतन पुरोहित, सुनील पुरोहित, अजय सिखवाल, सोहन उपाध्श, गोपाल उपाध्याय, सत्येंद्र व्यास, कैलाश पांडे, गोपाल व्यास, नरेंद्र त्रिपाठी, नवीन व्यास, विनोद उपाध्याय, ऋषभ सुखवाल, सुनील सिखवाल आदी।

सिखवाल ब्राह्मण समाज की बैठक मंदसौर में 4 अक्टूबर रविवार को संपन्न हुई। बैठक का मुख्य विषय जगाखेड़ी मंदसौर स्थित समाज की भूमि और भवन व ओंकारेश्वर में समाज के भवन हेतु भूमि क्रय करने की पूर्व बनी योजना का क्रियान्वयन और समाज बंधुओं से सहयोग हेतु चर्चा करना था। समाज के विकास हेतु सभी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य रूप से समाज के बंधुओं ने अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। ज्ञात हो कि समाज के वरिष्ठ, परम श्रद्धेय स्वर्गीय पंडित गजानंदजी व्यास (गजा गुरु) द्वारा समाज के हितार्थ अपनी निजी भूमि दान स्वरूप प्रदान की गई थी। उस भूमि पर वर्ष 2001 में सिखवाल ब्राह्मण समाज के सभी समाज बंधुओं के आर्थिक सहयोग से भवन का निर्माण किया गया था, जिस पर -श्री ॠषि विश्व विद्यालय, जगा खेड़ी, मंदसौर (म.प्र.) 2001- अंकित था। इन लोगों द्वारा हाल ही में उक्त नाम को मिटाकर, तोड़-फोड़ कर दूसरा नाम लिख दिया गया है। भवन के अंदर समाज के कीमती पीतल व तांबे के बड़े-बड़े बर्तन व समाज का सामान, जिनकी कीमत लाखों रुपये थी, उनके गायब होने व अपहरा-तफरी की आशंका समाज जनों को है। इस संबंध में वस्तुस्थिति जानने हेतु बैठक के उपरति प्रांतीय अध्यक्ष कन्हैयालाल व्यास के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सिखवाल ब्राह्मण समाज के समस्त सदस्यगण व समाज के गणमान्य नागरिक उक्त स्थल पर पहुंचे। पूर्व में 29 सितंबर को मंदसौर पुलिस अधीक्षक को भी समाज के अध्यक्ष ने आवेदन दिया है। वहां पर नारायण पिता स्व. गजानंद व्यास एवं चैतन्य पिता स्व. गजानंद व्यास द्वारा प्रांतीय अध्यक्ष एवं समाजजनों के साथ अत्यंत अपभद्र, अशोभनीय भाषा का प्रयोग करते हुए दुर्व्यवहार किया गया तथा जान से मारने की धमकी दी गई। सिखवाल ब्राह्मण महासभा ने निणयं लिया है कि इस तरह के असामाजिक तत्वों के विरुद्ध शासन स्तर पर कानूनी कार्यवाही तथा समाज स्तर पर सामाजिक कार्यवाही की जाएगी, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति समाज की संपत्ति पर इस प्रकार का कृत्य करने का दुस्साहस न करे। बैठक में मुख्य रूप से समाज के सम्माननीय पदाधिकारी बंधु कन्हैयालाल व्यास, चंद्रप्रकाश पुरोहित, गोपाल कृष्ण त्रिपाठी, महेश शर्मा, भरत पुरोहित, राजू पुरोहित, ओमप्रकाश तिवारी, रावू तिवारी, मेरेश बोरा, कैलाश ओझा, रविन्द्र पाण्डेय, गोपाल ऋषिकेश, लक्ष्मी नारायण जोशी नीमच, गोवर्धन तिवारी, भोले शंकर त्रिपाठी, पुरुषोत्तम त्रिपाठी, दिनेश उपाध्याय, रतन पुरोहित, सुनील पुरोहित, अजय सिखवाल, सोहन उपाध्श, गोपाल उपाध्याय, सत्येंद्र व्यास, कैलाश पांडे, गोपाल व्यास, नरेंद्र त्रिपाठी, नवीन व्यास, विनोद उपाध्याय, ऋषभ सुखवाल, सुनील सिखवाल आदी।



बिना किसी वैध कॉलोनाइजर लाइसेंस और टीएंडसीपी की अनुमति के यहीं रातों-रात पक्की सड़कों का निर्माण भी करा दिया गया, जिससे आस-पास के किसानों की कृषि भूमि का हित प्रभावित हो रहा है। पीड़ित ने 30 सितंबर और 2 अक्टूबर को सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज दो अलग-अलग शिकायतों में विद्युत अधिनियम की धारा 126 के उल्लंघन का हवाला देते हुए बिजली कनेक्शन काटने और नगर परिषद से अवैध निर्माण तुरंत रुकवाने की मांग की है। शिकायत में सबसे संवेदनशील आरोप स्थानीय तहसीलदार की भूमिका को लेकर लगाया गया है। शिकायतकर्ता का दावा है कि

रतनगढ़ के डॉक्टरों की तत्परता से बची सर्पदंश पीड़ित मजदूर की जान, ग्रामीणों ने जताया आभार

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतनगढ़ के बरेखन क्षेत्र में खेत पर काम कर रहे एक 26 वर्षीय आदिवासी मजदूर को जहरीले सांप ने डस लिया। सर्पदंश के बाद युवक की हालत तेजी से बिगड़ने लगी, लेकिन परिजनों की स्रद्धाबूझ और रतनगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (ब्लाष्ट) की चिकित्सा टीम की तत्परता से उसकी जान बच गई। डॉक्टरों ने मोर्चा संभालते हुए मरीज को तत्काल 10 एएसवी (एंटी-स्नेक वेनम) की खुराक दी, जिससे जहर का असर थम गया। प्राथमिक उपचार के बाद युवक को जिला चिकित्सालय नीमच रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर है।

जानकारी के अनुसार, रतलाम जिले के शिवगढ़ क्षेत्र के ग्राम खैरा खूट निवासी मुकेश

इसी विवादित क्षेत्र में सिंगोली के तहसीलदार स्वयं निवास कर रहे हैं, जिससे जनता के बीच यह चर्चा आम है कि प्रशासनिक तंत्र के मुखिया की नाक के नीचे हो रहा यह अवैध कार्य उन्हें क्यों दिखाई नहीं दे रहा?

क्या प्रशासन मूक दर्शक बनकर इन अवैध निर्माणों को संरक्षण दे रहा है?

कलेक्टर के निर्देश पर हो चुकी है जेल, आरोपी वर्तमान में हैं जमानत पर- यह पूरा मामला इसलिए भी पेचीदा है क्योंकि पूर्व में जिला कलेक्टर हिमांशु चन्दा के निर्देश पर इस जमीन की उच्च स्तरीय जांच कराई गई थी। जांच में गड़बड़ी सही पाए जाने पर तत्कालीन कस्बा पटवारी और कॉलोनाइजर बनकर प्लॉट बेचने वाले मुख्य आरोपी के खिलाफ सिंगोली थाने में आपराधिक मुकदमा (रद्दूक्त) दर्ज किया गया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था, जो वर्तमान में न्यायालय से जमानत पर बाहर हैं। इसके बावजूद वहां दोबारा निर्माण कार्य शुरू होने से क्षेत्र में



सांप ने उसे काट लिया। देखते ही देखते मुकेश के शरीर में जहर फैलने लगा और उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन और स्थानीय ग्रामीण बिना समय गंवाए उसे तुरंत रतनगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।

डॉक्टरों ने तुरंत शुरू किया इलाज- अस्पताल में ड्यूटी तैनात डॉ. प्रांकूर यादव, पवन भंडारी, तारेश ग्वाला और मीनाक्षी बैरागी

तनाव और संदेह का माहौल है।

निजी भूमि पर चल रहा है निर्माण, सरकारी जमीन पूरी तरह सुरक्षित तहसीलदार इस पूरे विवाद और सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज गंभीर आरोपों को लेकर जब सिंगोली तहसीलदार ऋषभ ठाकुर से सीधा तीखा सवाल किया गया, तो उन्होंने पूरे मामले को सिरे से खारिज करते हुए वास्तविक स्थिति स्पष्ट की।

तहसीलदार ऋषभ ठाकुर ने बताया कि कलेक्टर हिमांशु चन्दा के सख्त निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम ने पूर्व में ही भूमि सर्वे नंबर 70 का पूरी पारदर्शिता के साथ विस्तृत सीमांकन और पैमाइश की थी। इस जांच के दौरान विवादित भूमि को दो स्पष्ट भागों में चिन्हित कर दिया गया था, जिसमें एक हिस्सा निजी स्वामित्व की भूमि का है और दूसरा हिस्सा सरकारी शासकीय रकबे का है।

तहसीलदार ठाकुर ने शिकायतकर्ता के आरोपों को पूरी तरह नकारते हुए दृढ़ता से कहा कि वर्तमान में जो भी निर्माण कार्य या गतिविधियां संचालित हो रही हैं, वे सर्वे नंबर 70 के अंतर्गत आने वाली निजी भूमि पर चल रही हैं। निजी भूमि के स्वामी नियमों के

रतनगढ़ के डॉक्टरों की तत्परता से बची सर्पदंश पीड़ित मजदूर की जान, ग्रामीणों ने जताया आभार

की टीम ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल इलाज शुरू किया। मरीज को काउंटर डोज के रूप में 10 एएसवी इंजेक्शन दिए गए। वहीं सही समय पर मिले इस इलाज से मुकेश की स्थिति स्थिर हो गई। इसके बाद बेहतर निगरानी के लिए

उसे नीमच जिला अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों के प्रति बढ़ा विश्वास, लोगों ने की सराहना- क्षेत्र के ग्रामीणों का कहना है कि रतनगढ़ स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों द्वारा पहले भी कई सर्पदंश के मामलों में तत्परता दिखाकर मरीजों की जान बचाई गई है। डॉक्टरों की इस सक्रियता और सेवाभाव को स्थानीय नागरिकों ने एक सराहनीय पहल बताया है। समय पर उचित

इलाज मिलने से अब ग्रामीणों में झाड़ू-फूंक के प्रति अंधविश्वास कम हो रहा है और सरकारी डॉक्टरों व अस्पताल के प्रति उनका विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। क्षेत्रवासियों ने इस जीवनदान के लिए पूरी चिकित्सा टीम का आभार व्यक्त किया।

झाड़ू-फूंक में न गंवाएं समय- चिकित्सकों के अनुसार, सर्पदंश के मामलों में पहला एक घंटा (गोल्डन ऑवर) बेहद महत्वपूर्ण होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर लोग मरीज को झाड़ू-फूंक या घरेलू उपचार के चक्कर में ले जाते हैं, जिससे जहर पूरे शरीर में फैल जाता है और जान बचाना मुश्किल होता है। सांप काटने पर बिना डरे सीधे नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचना चाहिए, जहां एंटी-स्नेक वेनम पूरी तरह निशुल्क और उपलब्ध रहता है।

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर कृषि उपज सडी चंगेरा में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों, कृषि यंत्रों तथा कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई।

प्रदर्शनी में कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग, जिला सहकारी बैंक, कृषि विपणन, उद्यानिकी तथा मछिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न स्टॉल लगाए गए। स्टॉलों के माध्यम से किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में उपलब्ध सुविधाओं तथा शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी दी गई।

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर कृषि उपज सडी चंगेरा में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों, कृषि यंत्रों तथा कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई।

प्रदर्शनी में कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग, जिला सहकारी बैंक, कृषि विपणन, उद्यानिकी तथा मछिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न स्टॉल लगाए गए। स्टॉलों के माध्यम से किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में उपलब्ध सुविधाओं तथा शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी दी गई।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यार्थियों ने किया योग एवं ध्यान का अभ्यास



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश शासन आयुष विभाग, जिला नीमच द्वारा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नीमच में योग एवं ध्यान सत्र आयोजित किया गया। शिविर में करीब 700 विद्यार्थियों एवं 40 विद्यालय स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की। सत्र में विद्यार्थियों को विभिन्न योगासनों एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया तथा योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक महत्व की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को अष्टांग योग के आठ अंग-यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान एवं समाधि-से अवगत कराया गया। साथ ही नियमित योगाभ्यास से एकाग्रता, आत्मनियंत्रण, मानसिक संतुलन एवं सकारात्मक सोच विकसित होने की जानकारी दी गई। आयुर्वेद के सिद्धांत -स्वस्थस्य स्वास्थ्यरक्षणं, आतुरस्य सुराग्रप्रशमनं च- के संदर्भ में स्वस्थ जीवनशैली में योग की उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया और विद्यार्थियों को योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर जिला आयुष अधिकारी डॉ. अशोष बोरेना, डॉ. राहुल जायसवाल, श्री हरिश दас बैरागी, श्री विनीत सोनी, श्री आनंद शर्मा, विद्यालय के प्राचार्य श्री अरविन्द कुमार शर्मा सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत अमृत सरोवरों पर चला विशेष स्वच्छता अभियान



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान के तहत सोमवार को जिले के 20 अमृत सरोवरों पर विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में आयोजित अभियान में जल स्रोतों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई। अभियान के दौरान विसर्जन के बाद अमृत सरोवरों एवं आसपास के क्षेत्रों में मेंकत्रित पूजन सामग्री, पॉलीथिन एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री को हटकर स्वच्छता कार्य किया गया। संबंधित ग्राम पंचायतों के पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए श्रमदान किया। इस अवसर पर ग्रामीणजनों को जल स्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने, पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने तथा अमृत सरोवरों में कचरा नहीं डालने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही जल स्रोतों के संरक्षण एवं स्वच्छता को निरंतर बनाए रखने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। अभियान का उद्देश्य जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा जनभागीदारी को बढ़ावा देना रहा। अमृत सरोवरों की स्वच्छता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को भी प्रोत्साहित किया गया।

कृषि उपज मंडी चंगेरा में बलराम कृषि महोत्सव संपन्न

विभिन्न विभागों ने लगाई कृषि एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी, अतिथियों ने किया अवलोकन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर कृषि उपज सडी चंगेरा में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों, कृषि यंत्रों तथा कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई।

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर कृषि उपज सडी चंगेरा में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों, कृषि यंत्रों तथा कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई।

मुहाना थाने में मल्हारगढ़ के मनासा खुर्द के नाबालिग से मारपीट! 11 दिन आईसीयू में तड़पने के बाद मृत्यु, दुबई से सस्ता सोना मंगवाने को लेकर हुई घटना

पुलिस पर थर्ड डिग्री देने का आरोप, किसान नेता जोकचन्द पहुंचे जयपुर, कहा दोषी पुलिसकर्मियों पर हो कार्रवाई

इस अवसर पर जावद विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, नीमच विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार, मनासा विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू,श्री कसान सिंह, श्री कपिल यादव, श्रीमती वंदना खंडेलवाल, नार पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चोपड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को आधुनिक एवं उन्नत कृषि पद्धतियों, कृषि यंत्रों, कृषि विविधीकरण, कृषि से जुड़ी संबद्ध गतिविधियों तथा शासन की विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को नई तकनीकों एवं उपलब्ध संसाधनों से जोड़कर कृषि क्षेत्र को और अधिक सशक्त एवं समृद्ध बनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर कृषि उपज सडी चंगेरा में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों, कृषि यंत्रों तथा कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई।

मुहाना थाने में मल्हारगढ़ के मनासा खुर्द के नाबालिग से मारपीट! 11 दिन आईसीयू में तड़पने के बाद मृत्यु, दुबई से सस्ता सोना मंगवाने को लेकर हुई घटना

पुलिस पर थर्ड डिग्री देने का आरोप, किसान नेता जोकचन्द पहुंचे जयपुर, कहा दोषी पुलिसकर्मियों पर हो कार्रवाई

जब परिवार ने प्रकाश को फोन किया तो उनका मोबाइल बंद आने लगा। परिवार के लोग परेशान हुए और उससे संपर्क करने का प्रयास करते रहे। इसी दौरान प्रकाश के बेटे ऋत्राज के पास जयपुर से एक व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने उसे जयपुर आने के लिए कहा और बताया कि उसके पिता होटल रियाना में रुके हुए हैं। उसने बताया कि उसे और उसके पिता को चार-पांच लोगों ने पकड़ रखा है। ऋत्राज ने फोन पर कुछ लोगों के नाम भी बताए। परिवार को चिंता हुई, लेकिन इसके बाद फोन अचानक कट गया और फिर उससे संपर्क नहीं हो पाया।

मां को मिली बेटे के अस्पताल में भर्ती होने की खबर- परिवार के अनुसार 22 सितंबर को प्रकाश लोहार के दोस्त ललित का फोन आया। उसने बताया कि ऋत्राज जयपुर में होटल रियाना, इस्कॉन रोड पर ठहरे हुए हैं। परिवार के अनुसार उस समय तक सब कुछ सामान्य था और प्रकाश से फोन पर बातचीत भी हुई थी। अगले दिन

सम्पादकीय

राष्ट्र की सेवा सर्वोपरि, मातृभूमि स्वर्ग से भी बड़कर

भारतीय संस्कृति का यह अमर संदेश केवल आध्यात्मिक उपदेश नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का सार है। मनुष्य का जन्म केवल स्वयं के सुख, संपत्ति और वैभव अर्जित करने के लिए नहीं हुआ है। यदि जीवन का उद्देश्य केवल निजी स्वार्थ होता, तो प्रकृति मनुष्य को विवेक, करुणा, संवेदना और त्याग जैसी अनुपम शक्तियाँ कभी प्रदान न करती। मनुष्य को सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ प्राणी इसलिए कहा गया है क्योंकि वह अपने हितों से ऊपर उठकर समाज, राष्ट्र और संपूर्ण मानवता के लिए जीने की क्षमता रखता है।

भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र वसुधैव कुटुम्बकम् तथा सर्वे भवनतु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया: हमें सिखाता है कि सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है। वहीं जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी का उद्घोष यह स्मरण कराता है कि मातृभूमि स्वर्ग से भी बड़कर है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का जीवन राष्ट्र की उन्नति और समाज की समृद्धि के लिए समर्पित होना चाहिए।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं- स्वधर्मं निधनं श्रेयः। अर्थात् अपने कर्तव्य के मार्ग पर चलते हुए प्राणों का उत्सर्ग भी कल्याणकारी है। रामचरितमानस में गौस्वामी तुलसीदास ने लिखा- परहित सरिस धरम नहि भाई, पर पीड़ा सम नहि अधमाई। इन दोनों वचनों का सार यही है कि मनुष्य का वास्तविक धर्म लोकमंगल और परोपकार है।

महात्मा गांधी का कथन- स्वयं को पाने का सर्वोत्तम तरीका है स्वयं को दूसरों की सेवा में खो देना- आज भी उतना ही प्रासंगिक है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहते हैं उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। उनका लक्ष्य केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि भारत का पुनर्जागरण था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद के माध्यम से स्पष्ट किया कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र एक-दूसरे के पूरक हैं। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने संगठित समाज को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति माना, जबकि श्री गुरु गोलवलकर ने राष्ट्रभक्ति को सांस्कृतिक चेतना का सर्वोच्च रूप बताया।

समाज मनुष्य को भाषा, संस्कार, शिक्षा, संस्कृति और पहचान देता है। इसलिए समाज के प्रति हमारा दायित्व है कि हम सत्यनिष्ठ, ईमानदार और संवेदनशील नागरिक बनें। निर्धनों की सहायता, महिलाओं का सम्मान, शिक्षा का प्रसार, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और नैतिक आचरण केवल आदर्श नहीं, बल्कि नागरिक धर्म हैं। अधिकारों की अपेक्षा यदि कर्तव्यों को अधिक महत्व दिया जाए, तो समाज स्वतः ही सशक्त और समृद्ध बन जाएगा। राष्ट्र के प्रति दायित्व इससे भी व्यापक है। राष्ट्र केवल मानचित्र पर अंकित सीमाओं का नाम नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के सपनों, संघर्षों, संस्कृति और अस्मिता का सजीव प्रतीक है। सविधान का सम्मान, राष्ट्रीय एकता की रक्षा, मतदान, करों का ईमानदारी से भुगतान, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा तथा अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना भी राष्ट्रसेवा के ही स्वरूप हैं। एक शिक्षक का ज्ञान, किसान का श्रम, वैज्ञानिक का अनुसंधान, चिकित्सक की सेवा और सैनिक का बलिदान-सभी मिलकर राष्ट्र की शक्ति का निर्माण करते हैं।

भारत का इतिहास ऐसे असंख्य महापुरुषों से आलोकित है जिन्होंने अपने जीवन को राष्ट्र के चरणों में अर्पित कर दिया। महाराणा प्रताप ने स्वाभिमान के लिए कठिनाइयाँ स्वीकार कीं, छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज्य की स्थापना का स्वप्न साकार किया, रानी लक्ष्मीबाई ने अदम्य साहस का परिचय दिया। मंगल पांडे, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिसमिल, अरुफ़ाक उल्ला ख़ाँ, सुखदेव, राजगुरु, खुदीराम बोस और नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने अपने रक्त से स्वतंत्रता का इतिहास लिखा। नेताजी का उद्घोष तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा यह राष्ट्रभक्ति का अमर मंत्र है।

स्वतंत्र भारत में भी यह परंपरा अविरल रही। कैप्टन विक्रम बत्रा का उद्घोष ये दिल मीर गौर केवल युद्ध का नारा नहीं, बल्कि मातृभूमि के लिए सर्वस्व समर्पण का प्रतीक बन गया। कैप्टन मनोज कुमार पांडेय, मेजर शैतान सिंह, मेजर सदीप उन्नीकृष्णन और असंख्य वीर सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत की सीमाओं को सुरक्षित रखा।

भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम कहा करते थे यदि आप सूर्य की तरह चमकना चाहते हैं, तो पहले सूर्य की तरह जलना सीखिए। यह संदेश बताता है कि महानता त्याग, अनुशासन और सतत कर्म से प्राप्त होती है।

आज राष्ट्र के लिए न्योछावर होने का अर्थ केवल रणभूमि में शहीद होना नहीं है। ईमानदारी से अपना कार्य करना, भ्रष्टाचार का विरोध करना, सामाजिक सोहार्द बनाए रखना, पर्यावरण की रक्षा करना, शिक्षा और संस्कारों का प्रसार करना तथा राष्ट्रहित को व्यक्तिगत हित से ऊपर रखना भी उतना ही बड़ा राष्ट्रधर्म है। जब प्रत्येक नागरिक यह सोचने लगे कि मुझे राष्ट्र से क्या मिला के बजाय मैं राष्ट्र को क्या दे सकता हूँ तभी सच्चे अर्थों में राष्ट्रीय पुनर्जागरण संभव होगा। अंततः यह निर्विवाद सत्य है कि मनुष्य का जन्म समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी बनने के लिए हुआ है।

आत्मनियंत्रण विकसित करने में समर्थ बनाता है सहजयोग



डिजिटल एडिक्शन को नियंत्रित करने में सहअक्ष है सहजयोग ध्यान आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। संचार, शिक्षा, मनोरंजन और कार्य के लिए मोबाइल उपयोगी है, लेकिन इसका अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग धीरे-धीरे एक गंभीर समस्या का रूप ले सकता है। लगातार स्क्रीन पर समय बिताने से नींद में कमी, आँखों में थकान, सिरदर्द, मानसिक तनाव, चिड़चिड़ापन और एकग्रता में कमी जैसी परेशानियां सामने आ सकती हैं। बच्चों और युवाओं में मोबाइल के प्रति बढ़ती निर्भरता उनके अध्ययन, व्यवहार और सामाजिक विकास को भी प्रभावित कर सकती है।

ऐसे समय में श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रदत्त सहजयोग ध्यान मानसिक संतुलन और आत्मनियंत्रण विकसित करने का एक सरल एवं सहज माध्यम हो सकता है। सहजयोग का उद्देश्य व्यक्ति को अपने भीतर शांति और संतुलन को अनुभूति कराना है। नियमित ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने विचारों और भावनाओं के प्रति अधिक सजग होना सीखता है तथा वर्तमान क्षण में रहना आसान होता है।

चिंता और मानसिक विचलन से मुक्ति - मोबाइल और सोशल मीडिया का लगातार उपयोग मन को बार-बार एक गतिविधि से दूसरी गतिविधि में लेते जाता है। इससे मानसिक एकाग्रता प्रभावित हो सकती है। सहजयोग ध्यान में निर्विचार अवस्था का अभ्यास किया जाता है, जिससे व्यक्ति अनावश्यक विचारों और मानसिक तनाव से स्वयं को अलग करना सीखता है। नियमित ध्यान मन को शांत करने और जीवन में अधिक जागरूकता लाने में सहायक हो सकता है।

आदतों पर नियंत्रण की दिशा में - कदम- किसी भी आदत को संतुलित करने के लिए आत्म-जागरूकता और इच्छाशक्ति महत्वपूर्ण होती है। सहजयोग में ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर की स्थिति को समझने और आत्मनियंत्रण विकसित करने में समर्थ होता है। जिससे वह मोबाइल उपयोग के लिए समय-सीमा निर्धारित करना, सोने से पहले स्क्रीन से दूरी बनाना और समय-समय पर डिजिटल डिटॉक्स अपनाने जैसे उपायों को सहजता से अपना लेता है। सहजयोग केवल मोबाइल के अत्यधिक उपयोग को नियंत्रित करने तक सीमित नहीं है। नियमित ध्यान मानसिक शांति, एकाग्रता और संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देने में सहायक होता है। युवाओं व किशोरों को इसके साथ रचनात्मक गतिविधियों जैसे संगीत, नृत्य, चित्रकारी और लेखन में रुचि विकसित करने तथा प्रकृति के साथ जुड़ने की प्रेरणा भी मिलती है।

एशियाई खेलों में भारत का चौथे स्थान पर रहना निश्चित रूप से उपलब्धि है, लेकिन विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत के लिए यह उपलब्धि आत्मसंतोष का कारण नहीं, बल्कि आत्ममंथन और नए संकल्प का अवसर होनी चाहिए। आइची-नागोया एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने 85 पदक-21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य-जीतकर अपनी क्षमता का परिचय दिया है। एशिया जैसे खेल महाशक्ति वाले महाद्वीप में शीर्ष चार देशों में स्थान बनाना सामान्य उपलब्धि नहीं है। फिर भी प्रश्न यह है कि जब चीन और जापान जैसे देश हमसे आगे हैं, तब भारत प्रथम और द्वितीय स्थान तक कब पहुंचेगा? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि जिस भारत को हम आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सामरिक शक्ति के रूप में विश्व की अग्रिम पंक्ति में देखना चाहते हैं, उसकी खेल शक्ति अभी भी अपेक्षित ऊंचाइयों तक क्यों नहीं पहुंच पाई है? एशियाड के पदक हमें दो अलग-अलग तस्वीरें दिखाते हैं। पहली तस्वीर उत्साह जगाती है। तीरंदाजी में नौ पदक, जिनमें पांच स्वर्ण शामिल हैं, भारतीय प्रतिभा की मजबूत उपस्थिति का प्रमाण हैं। कुमकुम मोहोद का रिकर्व वर्ग में व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करना, प्रणवी उर्स का व्यक्तिगत गोल्फ स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनना तथा बॉक्सिंग और कुश्ती में स्वर्णिम प्रदर्शन हमारी खेल प्रतिभा की व्यापकता को दर्शाता है। क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा भी कायम रहा।

महिला हॉकी टीम की सफलता विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मौजूदा चौपियन चीन को हराकर स्वर्ण पदक हासिल करना केवल एक पदक नहीं, बल्कि चार दशक से अधिक समय से चले आ रहे इंतजार का अंत है। यह जीत बताती है कि जब प्रतिभा, अनुशासन, सामूहिक भावना और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता एक साथ आती है तो भारतीय खिलाड़ी किसी भी प्रतिद्वंद्वी को चुनौती दे सकते हैं। लेकिन दूसरी तस्वीर आत्ममंथन की मांग करती है। एथलेटिक्स में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं हुआ। निशानेबाजी, जिसे भारत की पदक संभावनाओं का मजबूत आधार माना जाता है, भी अस्मिता पर पूरी तरह खरी नहीं उतरी। पिछली बार के मुकाबले कुल पदकों

भ्रामक इतिहास को सुधारने की पहल

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की नौवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तक अंडरस्टैंडिंग सोसायटी- इंडिया एंड बियांड भाग- दो में हुआ परिवर्तन एक पाठ्यक्रम संशोधन मात्र नहीं, बल्कि समकालीन भारत में इतिहास के पुनर्गठ का उल्लेखनीय प्रयास है। पचास वर्षों से अधिक समय तक भारतीय विद्यार्थी मध्यकालीन भारत को मुख्यतः विदेशी आक्रांताओं के नजरिये से पढ़ते आए हैं।

दिल्ली सल्तनत और मुग़ल साम्राज्य की प्रशासनिक एवं आर्थिक व्यवस्था, शिक्षात्मक स्थापत्य कला, उन्नत एवं अभिजात्य जीवनशैली और अपराजेय सैन्य शक्ति एवं गंगा-जमुनी कृषिबल आदि उन पुराने पाठ का कंठ थे। मुस्लिम तुलशीकरण करने वाले वामपंथी इतिहासकार उसका गुणगान समन्वय और सन्धिबुला की संस्कृति के नाम पर करते रहे। इस दृष्टि ने निश्चय ही भ्रामक इतिहास-बोध वाली ऐसी पीढ़ियां तैयार कीं, जो स्वदेश की गौरवपूर्ण प्रतिरोध परंपरा और देशज सुशासन व्यवस्था और प्रगत कला-संस्कृति से अपरिचित और अनभिज्ञ रह गईं।

नई पुस्तक में बताया गया है कि भारतीय उपमहाद्वीप ने बार-बार विदेशी आक्रमण, धार्मिक भेदभाव और सामाजिक-आर्थिक संकट झेले, पर स्वदेशी शक्तियों ने लगातार उन आक्रांताओं का प्रतिरोध किया, जो घुसपैठ कर रहे थे। इसमें अनेक ऐसे प्रसंग जोड़े गए हैं, जो अब तक मुख्यधारा की पाठ्यपुस्तकों में या तो फुटनोट में थे या पूरी तरह अनुपस्थित थे। महाराणा प्रताप और अकबर की सेनाओं के बीच 1582 में विजयदशमी के दिन लड़ा गया दिवरे के युद्ध को विस्तार से रखा गया है। मेवाड़ की सेना ने इस युद्ध में मुग़ल सेना को पराजित करके अपने खोए हुए क्षेत्रों पर पुनः अधिकार प्राप्त किया था। उत्तर-पूर्व भारत के शासिकाली अहोम साम्राज्य का उल्लेख है, जिसने लगभग छह सौ वर्षों तक अपनी राजनीतिक स्वतंत्रता बनाए रखी और सरायवाट के युद्ध (1671) में ‘उत्तर-पूर्व के शिवाजी’ कहे जाने वाले वीर योद्धा लचिंत बोरफुकरन के नेतृत्व में मुग़ल सेना को पराजित किया।इसमें दक्षिण भारत के विजयनगर साम्राज्य की सामर्थ्य और प्रजिरोध, मराठों की स्वराज की अवधारणा का भी वर्णन है। औरंगजेब की जजिया सहित भारी कर लगाने और धार्मिक कट्टरता की नीतियों के विरुद्ध 1669 में गोकुला जाट और 1686 में सिनसिनी के जमींदार राजाराम के नेतृत्व में हुए विद्रोह, सिख गुरुओं की आध्यात्मिक और राजनीतिक दृढ़ता, गुरु अर्जुन देव और गुरु गेग बहादुर के बलिदान, गुरु गोविंदसिंह के सशस्त्र संघर्ष और खालसा पंथ की स्थापना आदि के माध्यम से स्थापित किया गया है कि विदेशी आक्रमणों का प्रतिरोध अखिल भारतीय स्तर पर था।

—**सुनील कुमार महला**

और स्वर्ण पदकों में कमी भी गंभीर संकेत है। इसलिए चौथा स्थान हमारी मंजिल नहीं, अगली छलांग का पड़ाव होना चाहिए।भारत और चीन-जापान के बीच अंतर को केवल पदक तालिका से नहीं समझा जा सकता। खेलों में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए वर्षों तक चलने वाली वैज्ञानिक योजना, जमीनी स्तर से प्रतिभा खोज, आधुनिक प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, पोषण, मानसिक मजबूती, चिकित्सा सहायता और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का निरंतर अनुभव जरूरी होता है। चीन ने खेलों को राष्ट्रीय शक्ति के एक महत्वपूर्ण आयाम के रूप में विकसित किया है। जापान ने खेल संस्कृति को शिक्षा, अनुशासन और जीवनशैली से जोड़ा है। भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अपनी विशाल युवा आबादी को केवल संभावित खिलाड़ियों की संख्या के रूप में न देखे, बल्कि उसे विश्वस्तरीय खेल प्रतिभा में बदलने का तंत्र विकसित करे। भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। कमी है तो प्रतिभा को पहचानने, तराशने और लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाए रखने वाली सुव्यवस्थित व्यवस्था की। गांव, छोटे शहर और साधारण परिवारों से आने वाली असंख्य प्रतिभाएं आज भी उचित प्रशिक्षण, संसाधन और अवसर के अभाव में आगे नहीं बढ़ पातीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में खेलों के प्रति भारत का दृष्टिकोण बदला है। खेल अब केवल मनोरंजन या कुछ चुनिंदा खिलाड़ियों का खेल नहीं रह गया है, बल्कि इसे राष्ट्रीय प्रतिष्ठा, युवा शक्ति और स्वस्थ समाज के निर्माण से जोड़ा जा रहा है। खेलो इंडिया जैसे अभियानों ने जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पहचानने की दिशा में महत्वपूर्ण वातावरण बनाया है। ओलंपिक और एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों की बढ़ती उपस्थिति भी इस परिवर्तन का संकेत है। लेकिन अब अगला चरण और अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। हमें यह नहीं पूछना चाहिए कि भारत कितने पदक जीत सके हैं, बल्कि यह पूछना चाहिए कि भारत किन खेलों में विश्व की शीर्ष शक्ति बन सकता है। हमें पदक-केंद्रित सोच से आगे बढ़कर खेल-परिस्थितिकी तंत्र यानी ऐसी पूरी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रतिभा की खोज से लेकर उसके अंतरराष्ट्रीय करियर तक हर चरण को जिम्मेदारी स्पष्ट हो। भारत में खेल और शिक्षा को लंबे

समय तक एक-दूसरे का विकल्प समझा गया। यह सोच बदलनी होगी। खेल किसी विद्यार्थी की पढ़ाई में बाधा नहीं, बल्कि उसके व्यक्तिव निर्माण का माध्यम हैं। विद्यालयों में खेल के घंटे, प्रशिक्षित कोच, आधुनिक मैदान और फिटनेस कार्यक्रम अनिवार्य होने चाहिए। यदि किसी बच्चे में असाधारण प्रतिभा दिखाई देती है तो उसकी आर्थिक स्थिति उसके भविष्य की बाधा नहीं बननी चाहिए। सरकार, निजी क्षेत्र, खेल संस्थाओं और कॉर्पोरेट जगत को मिलकर ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रशिक्षण, उपकरण, पोषण, यात्रा और प्रतियोगिताओं के लिए आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

भारत की अगली चुनौती केवल पदक जीतना नहीं, बल्कि लगातार चैंपियन तैयार करना है। एक खिलाड़ी को सफलता के बाद उसी खेल में अगली पीढ़ी तैयार होनी चाहिए। इसके लिए खेल विज्ञान को प्रशिक्षण का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। आधुनिक फिटनेस, डेटा विश्लेषण, बायोमैकेनिक्स, स्पोर्ट्स मेडिसिन, मनोविज्ञान और पोषण विज्ञान को भारतीय खेल व्यवस्था में व्यापक रूप से शामिल करना होगा। मानसिक मजबूती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिभा के साथ दबाव संभालने की क्षमता निर्णायक बनती है। इसलिए खिलाड़ियों के लिए खेल मानववैज्ञानिकों और मानसिक प्रशिक्षकों की नियमित व्यवस्था आवश्यक है। किसी खिलाड़ी की एक प्रतियोगिता में असफलता को उसकी क्षमता का अंतिम प्रमाण मानने के बजाय उसे सीखने और वापसी का अवसर दिया जाना चाहिए। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने हाल के वर्षों में जिस प्रकार अपनी क्षमता सिद्ध की है, वह भारत के खेल भविष्य की सबसे सकारात्मक तस्वीरों में से एक है। महिला हॉकी की स्वर्णिम सफलता इसका ताजा उदाहरण है। तीरंदाजी, मुक्केबाजी, कुश्ती, एथलेटिक्स, गोल्फ और अन्य खेलों में भी बेटियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई है। अब जरूरत है कि ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों की बेटियों को खेलों से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। सुरक्षित खेल परिसर, महिला प्रशिक्षक, छात्रवृत्ति और परिवारों में खेल के प्रति सकारात्मक वातावरण इस दिशा में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। भारत की आधी आबादी को खेल

—**ललित गर्ग**

यदि आपके पूर्वज आज वापस आ जाएँ तो क्या वे आप पर गर्व करेंगे?

क्या वे उस समाज पर गर्व करेंगे जहाँ लोग अपने अधिकार तो जानते हैं, लेकिन अपने कर्तव्य भूलते जा रहे हैं? क्या वे उस नागरिक पर गर्व करेंगे जो सरकार को गालियाँ तो देता है, लेकिन कभी यह जानने की कोशिश नहीं करता कि उसके नाम पर खर्च होने वाला पैसा कहाँ जा रहा है? क्या वे उस पीढ़ी पर गर्व करेंगे जो अपने मोबाइल का हर फीचर जानती है, लेकिन अपने संविधान के बुनियादी अधिकार और लोकतांत्रिक शक्तियों से परिचित नहीं है?

क्या वे उस समाज पर गर्व करेंगे जहाँ लोग घंटों मनोरंजन पर खर्च कर सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक मामलों में रुचि लेने के लिए उनके पास समय नहीं है?

हम अपने पूर्वजों को अक्सर गरीबी, अभाव और कठिनाइयों से जोड़कर देखते हैं। लेकिन उनके पास एक चीज़ थी जो आधुनिक समाज में तेजी से दुर्लभ होती जा रही है—सामूहिक जिम्मेदारी की भावना। वे जानते थे कि परिवार केवल अधिकारों से नहीं चलता, जिम्मेदारियों से चलता है। समाज केवल लाभ से नहीं चलता, सहभागिता से चलता है। आज हमारे पास उनसे अधिक धन है, अधिक शिक्षा है, अधिक तकनीक है, अधिक अवसर हैं। लेकिन क्या हमारे पास उतनी ही जिम्मेदारी है?

हम अवसर अपने पूर्वजों की तस्वीरों पर फूल चढ़ाते हैं, लेकिन क्या हम उनके लिए बेहतर संस्थाएँ छोड़ रहे हैं? हम उनकी पढ़ाई की चिंता करते हैं, लेकिन क्या हम उनके लिए बेहतर संस्थाएँ छोड़ रहे हैं? हम उनकी पढ़ाई की चिंता करते हैं, लेकिन क्या हम उन्हें नागरिकता की समझ दे रहे हैं? हम चाहते हैं कि वे सफल हों, लेकिन क्या

—**सी एम जैन**

क्या गांधी के साये से निकल गया भारत? कैसे एक नरम दिखने वाला देश बना कठोर राज्य

मैं लेफ्टिनेंट जनरल) थे। 30 अक्टूबर 1947 की सुबह कश्मीर में हालात गंभीर थे। राज्य में सशस्त्र बलों के कमांडर ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह उरी में लड़ते हुए मरा जा चुके थे। बाद में उन्हें भारत के पहले महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। महाराजा ने विलय-पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए थे।

भारतीय सेना को श्रीनगर जाने का आदेश दिया गया था लेकिन वहां पहुंचते ही उसे एक झटका लगा। 161 ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर जे. सी. कटोच के पैर में गोली लगी और उन्हें वहां से निकालना पड़ा। जनरल सर रॉब लॉकहार्ट ने सेन को बुलाया। उस समय भारत और पाकिस्तान दोनों के सेना प्रमुख ब्रिटिश थे। सेन को ब्रिगेडियर के पद पर पदोन्नत किया गया और कटोच की जगह लेने का आदेश दिया गया। यह सलाह भी दी गई कि श्रीनगर जाने से पहले वे राजनेताओं से परामर्श कर लें।

ब्रिगेडियर जी. एन. थापर जो बाद में थल सेना प्रमुख बने, उनके साथ सेन ने सरदार पटेल से मुलाकात की। पटेल ने सुझाव दिया कि पहले महात्मा को स्थिति से अवगत कराया जाए। वे 1 नवंबर की शाम बिड़ला हाउस में गांधी से मिले। वहां क्या हुआ, इसका विवरण हमें सेन के संस्मरण 'स्टैंडर वाज द थ्रेड-कश्मीर कन्फ़्लैशन, 1947-48' में मिलता है।

संस्मरण के मुताबिक, 'उन्होंने (गांधी ने) बेहद ध्यान से हमारी बात सुनी औरज़कूथ सेकंड के मौन के बाद कहा, 'युद्ध मानवता के लिए अभिशाप है। वे पूरी तरह निरर्थक होते हैं। वे पीड़ा और विनाश के अलावा कुछ नहीं लाते।' एक सैनिक के रूप में और कुछ ही घंटों बाद युद्ध में शामिल होने वाले व्यक्ति के रूप में मैं अस्मज्जन में पड़ गया और अंततः मैंने उनसे पूछ- 'मैं कश्मीर में क्या करूँ?'

महात्मा गांधी मुस्कुराये और बोले, 'आप निर्दोष लोगों की रक्षा करने और उन्हें पीड़ा से बचाने तथा उनकी संपत्ति को विनाश से बचाने जा रहे हैं। इसे हासिल करने के लिए आपको स्वाभाविक रूप से अपने पास उपलब्ध हर साधन का पूरा इस्तेमाल करना होगा।'

यह इतिहास के उन अल्पज्ञात प्रसंगों में से एक है जहां गांधी ने हिंसा और युद्ध का समर्थन किया था। इसके बाद भी यही सिलसिला जारी रहा। कश्मीर को संयुक्त राह ले जाने के लिए नेहरू की जितनी भी आलोचना की जाए तथ्य यह है कि उन्होंने सैन्य शक्ति के जरिये भारत के हित मजबूत करने के प्रयास किए। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा नाटो के नवीनमान मानकों वाले हथियारों और प्रशिक्षण के जरिए बनाई जा रही बढ़त को कम करने की कोशिश की। भारत को ब्रिटेन से हंटर विमान और सेंचुरियन टैंक मिलने लगे। यह मदद नहीं थी बल्कि इन्हें भुगतान करके खरीदा गया था।

चीन के खिलाफ 1962 की करारी शिकस्त ने नेहरू की

शक्ति में पूरी तरह शामिल किए बिना विश्व की खेल महाशक्ति बनने का सपना अधूरा रहेगा।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 दूर नहीं है। इसलिए एशियाड की उपलब्धियों और कमियों का विश्लेषण केवल समाचारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। प्रत्येक खेल के लिए अभी से पदक की वास्तविक संभावना, संभावित खिलाड़ियों की सूची, प्रशिक्षण योजना और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का कैलेंडर तैयार होना चाहिए। हमें उन खेलों की पहचान करनी होगी जिनमें भारत अगले ओलंपिक में बड़ी छलांग लगा सकता है। साथ ही जिन खेलों में हम लगातार पिछड़ रहे हैं, वहां रणनीतिक निवेश करना होगा। लक्ष्य यह होना चाहिए कि भारत केवल कुछ पारंपरिक खेलों में नहीं, बल्कि एथलेटिक्स, तैराकी, निशानेबाजी, जिम्नास्टिक, साइकिलिंग, कुश्ती, मुक्केबाजी और अन्य ओलंपिक खेलों में व्यापक पदक क्षमता विकसित करे। भारत का चौथा स्थान यह संदेश देता है कि हम पीछे नहीं हैं, लेकिन अभी बहुत आगे जाना बाकी है। हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है, विज्ञान और तकनीक में नई उपलब्धियां हासिल हो रही हैं, शिक्षा और आधारभूत ढांचे का विस्तार हो रहा है और भारत वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका लगातार मजबूत कर रहा है। ऐसे समय में खेलों में भी विश्वस्तरीय उत्कृष्टता हमारी राष्ट्रीय पहचान का अनिवार्य हिस्सा होनी चाहिए। खेल केवल पदक नहीं देतेयें वे अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व, टीम भावना, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवन की संस्कृति देते हैं। इसलिए खेलों में निवेश वास्तव में राष्ट्र के भविष्य में निवेश है। आइची-नागोया हमें गर्व करने का अवसर देता है, लेकिन उससे भी अधिक आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। चौथा स्थान मंजिल नहीं, चेतावनी और चुनौती दोनों है। अब भारत को यह संकल्प लेना होगा कि अगली एशियाई प्रतियोगिताओं में हम केवल शीर्ष चार में रहने के लिए नहीं, बल्कि प्रथम और द्वितीय स्थान के लिए मैदान में उतरेंगे। और ओलंपिक में केवल पदकों की संख्या बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि विश्व खेल शक्ति बनने के लिए तैयार करेंगे। जिस भारत को विश्वगुरु बनना है, उसे विश्व खेलगुरु बनने की दिशा में भी उतनी ही गंभीरता से कदम बढ़ाने होंगे।

—**ललित गर्ग**

हम चाहते हैं कि वे जिम्मेदार भी हों?

हो सकता है आपके पूर्वज आपके घर, आपकी नौकरी और आपकी उपलब्धियों को देखकर प्रसन्न हों। लेकिन हो सकता है वे एक और प्रश्न पूछें - तुमने अपने समय के अन्याय के खिलाफ क्या किया?

तुमने अपने समाज को बेहतर बनाने के लिए क्या किया? तुमने अपने बच्चों को केवल कमाना सिखाया या जिम्मेदारी भी सिखाई?

तुमने अपने अधिकारों का उपयोग किया या केवल शिकायतें कीं? और शायद सबसे असुविधाजनक प्रश्न यह होगा- हमने तुन्हें जो देश सौंपा था, क्या तुम उसे अगली पीढ़ी को बेहतर स्थिति में सौंप रहे हो? यही वह प्रश्न है जिसका उत्तर किसी डिग्री, बैंक बैलेंस या सामाजिक प्रतिष्ठा से नहीं दिया जा सकता। क्योंकि इतिहास में किसी पीढ़ी का मूल्यांकन इस आधार पर नहीं होता कि उसने कितना उपभोग किया।

उसका मूल्यांकन इस आधार पर होता है कि उसने अपने हिस्से की जिम्मेदारी कितनी निभाई।

इसलिए अगली बार जब आप अपने पूर्वजों की तस्वीर देखें, तो केवल उन्हें याद मत कीजिए। एक क्षण के लिए यह भी सोचिए कि यदि वे आज वापस आ जाएँ और आपके सामने बैठ जाएँ, तो क्या वे केवल आपके प्रेम करेंगे, या आप जब भी कभी करेंगे? क्योंकि प्रेम तो पूर्वज बिना शर्त करते हैं। लेकिन गर्व कमाना पड़ता है।

लायनल प्रतीप सेन सैन्य खुफिया निदेशालय में कर्नल (बाद

शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा संपन्न, देवास जिले का प्रदेश में परचम

235 विद्यालयों के 10,301 विद्यार्थियों ने लिया भाग, गत वर्ष से बेहतर रहा परिणाम

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के पावन मार्गदर्शन में देवास जिले में संचालित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का इस वर्ष ऐतिहासिक समापन हुआ। युवा पीढ़ी में भारतीय संस्कृति, संस्कार और नैतिक मूल्यों के जागरण के उद्देश्य से चलाए गए इस चार माह के सघन अभियान में जिले के कुल 235 विद्यालयों के 10,301 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि भारत के गौरव गरिमा और ज्ञान की परीक्षा प्रतिवर्ष शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में देशभर में संचय होती है इसी क्रम में यह परीक्षा पूरे देवास जिले में सफलता पूर्वक संपन्न हुई। जिला समन्वयक बी.एल. खंडेलवाल ने बताया कि इस वर्ष जिले का संकल्प 250 विद्यालयों के



माध्यम से 11,000 विद्यार्थियों को जोड़ने का था, जिसमें हम 95 प्रतिशत लक्ष्य के अत्यंत निकट पहुंचने में सफल रहे। यह सफलता निश्चित ही गत वर्ष की तुलना में उत्कृष्ट एवं उत्साहवर्धक है। यह गौरवपूर्ण उपलब्धि जिले में स्थापित समस्त शक्तिपीठ, प्रज्ञापीठ के ट्रस्टीगण, गायत्री परिजन, समस्त तहसील समन्वयक, परीक्षा प्रभारी एवं विगत चार माह से अहर्निश सेवा में लगे पूरी टीम के त्याग, तप और समयदान का सुफल है। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा जिला संरक्षक देवीशंकर तिवारी

एवं जिला समन्वयक शिवनारायण शर्मा के कुशल नेतृत्व से उक्त परीक्षा सम्पन्न हुई साथ ही इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में जिनका विशेष योगदान रहा, ऐसे ऊर्जावान कार्यकर्ता जिला सचिव अरविन्द शर्मा, लक्षित दुबे, कांतिलाल पटेल, सुरेन्द्र दुबे एवं जितेन्द्र मोहरी की सक्रिय भूमिका रही। तहसीलवार वरिष्ठा क्रम में प्रदर्शन -देवास कुल 74 स्कूल, 3321 सहभागी (शहर 30 स्कूल 1682, ग्रामीण 44 स्कूल 1639), हाटपीपल्या 29 स्कूल, 1273 सहभागी, कन्नौद 17 स्कूल, 1021 सहभागी, उदयनगर 13 स्कूल, 970 सहभागी, सतवास 18 स्कूल, 891 सहभागी, बागली 34 स्कूल, 853 सहभागी, खातेगांव 18 स्कूल, 817 सहभागी, सोनकच्छ 18 स्कूल, 662 सहभागी, टोंकखुर्द 14 स्कूल, 493 सहभागी।

विशेष रूप से टोंकखुर्द, सतवास एवं उदयनगर तहसीलों ने गत वर्ष की तुलना में अभूतपूर्व प्रगति कर सबका ध्यान आकर्षित किया है। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा को संपन्न कराने में जिले की सभी तहसीलों के प्रभारियों का विशेष सहयोग मिला जिसमें गणेशचन्द्र व्यास, हरिराम जिराती, रमेशचन्द्र मोदी, महेश पटेल, संतोष पटेल, डॉ दिलीपसिंह सोलंकी, रमेशचन्द्र मेहता, हरिप्रसाद पांडेय, राजेन्द्र शर्मा, देवेंद्र राठौर, आशीष गुप्ता, पुकरलाल गुप्ता, गिरीश गुरु, फुलसिंह नागर, पुरणोत्तम परमार, उमेश दुबे, दिनेश सोलंकी, राजेन्द्र व्यास, हजारीलाल चौहान, दिनेश पंचोली सहित अन्य शिक्षक एवं परिजन शामिल थे। अंत में जिला समन्वय समिति एवं जिला समन्वयक बी.एल. खंडेलवाल ने इस पुनीत ज्ञान यज्ञ में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोग प्रदान करने वाले समस्त प्राचार्य, शिक्षक एवं समर्पित गायत्री परिजनों का हृदय से आभार व्यक्त किया ।

साड़ी दुकान से आलू उत्पादन तक, उर्मिला पादीदार ने अपनाई आत्मनिर्भरता की राह

प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव का हृदय व्यक्त कर रही है आभार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के टोंकखुर्द विकासखंड के इकलैरा की श्रीमती उर्मिला पाटीदार आज ग्रामीण महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की मिसाल बन गई हैं। मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन के



साथ उन्होंने अपनी आजीविका को मजबूत करने के लिए एक नहीं, बल्कि तीन अलग-अलग गतिविधियों को अपनाया। कार्तिक स्व सहायता समूह और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़कर उर्मिला दीदी ने साड़ी दुकान, पशुपालन तथा आलू उत्पादन को अपनी आय का माध्यम बनाया और आज लगभग 2 लाख रुपए वार्षिक शुद्ध आय अर्जित कर रही हैं। अपने जीवन में आए इस सकारात्मक बदलाव के लिए वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति हृदय से आभार व्यक्त कर रही हैं।

साड़ी की दुकान शुरू की। ग्राहकों की पसंद को समझते हुए अच्छी वैरायटी उपलब्ध कराने और बेहतर व्यवहार के कारण उनकी दुकान चल निकली। इससे उन्हें लगभग 6 हजार रुपए प्रतिमाह शुद्ध आय होने लगी। इसके पश्चात उन्होंने अपनी आय के नए स्रोत तलाशे।

उन्होंने समूह से 1 लाख रुपए का दूसरा ऋण लिया और पशुपालन शुरू किया। उन्नत नस्ल के मवेशियों के माध्यम से दूध उत्पादन एवं बिज्नी का व्यवसाय शुरू किया। इससे उन्हें लगभग 8 हजार रुपए प्रतिमाह अतिरिक्त शुद्ध आय प्राप्त होने लगी। इसके पश्चात उन्होंने कृषि क्षेत्र में भी कदम बढ़ाया। उन्होंने प्रोड्यूसर ग्रुप से जुड़कर 1 लाख रुपए का तीसरा ऋण लिया और उन्नत तरीके से आलू उत्पादन शुरू किया। उत्पादक समूह के माध्यम से उन्हें खेती की तकनीकी जानकारी के साथ अपनी उपज के लिए बेहतर बाजार तक पहुंच मिली।

एशियन गेम्स में दुनिया ने देखा भारत की नारी शक्ति का दम- भूरिया

झाबुआ। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को 85 पदक दिलाए और पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। भारत के खाते में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक आए। इस उपलब्धि की सबसे गौरवपूर्ण तस्वीर यह है कि महिला खिलाड़ियों ने 38 पदक अपने नाम किए, जो पुरुष खिलाड़ियों के बराबर हैं। इनमें 11 स्वर्ण पदक महिला खिलाड़ियों और महिला टीमों ने जीते।

भारत की बेटियों का यह प्रदर्शन केवल खेल की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह बदलते भारत और सशक्त होती नारी शक्ति की तस्वीर है। क्रिकेट में भारतीय महिला टीम ने क्रिकेट की शक्ति को तस्वीर है। जिनके जितकर देश का गौरव बढ़ाया, वहीं महिला कबड्डी और महिला हॉकी टीम ने भी स्वर्णिम सफलता हासिल की। महिला हॉकी टीम की स्वर्णिम वापसी विशेष रूप से ऐतिहासिक रही, जिसने 44 वर्ष बाद एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

एशियन गेम्स में भारतीय बेटियों की सफलता महिला सशक्तिकरण की सबसे प्रभावशाली तस्वीर है। आज हमारी बेटियां केवल खेल के मैदान में पदक नहीं जीत रही, बल्कि वे देश की करोड़ों बेटियों के सपनों की भी नई दिशा दे रही हैं। उनकी सफलता यह विश्वास मजबूत करती है कि बेटों को अवसर, प्रोत्साहन और विश्वास दिया जाए तो वह किसी भी क्षेत्र में सर्वोच्च शिखर तक पहुंच सकती हैं। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भी भारतीय बेटियों ने नए इतिहास रचे। कुमुकुम मोहोड ने महिला व्यक्तिगत रिकर्व में भारत के

लिए पहला एशियन गेम्स स्वर्ण पदक जीता। महिला रिकर्व टीम ने भी स्वर्ण अपने नाम किया। निशानेबाजी में नीरू धांड ने स्वर्ण पदक जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन और परवीन हुड्डा ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि गोफम में प्रणवी उर्स ने भारत के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया। मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में रजत पदक जीतकर भारत के लिए इस खेल में लंबे अंतराल के बाद पदक दिलाया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि में मध्यप्रदेश की बेटियों ने भी अपनी प्रतिभा और मेहनत का परचम लहराया। प्रदेश की क्रिकेटर कार्ति गौड़ भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा बनीं। छोटे से गांव से निकलकर एशियन गेम्स जैसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुंचकर स्वर्ण पदक जीतना उनकी मेहनत और संघर्ष की प्रेक कहानी है।

निशानेबाजी में मध्यप्रदेश की नीरू ढांड ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए महिला ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही उन्होंने ट्रेप मिक्सड टीम में भी स्वर्ण और महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। इस तरह नीरू ने एशियन गेम्स में तीन पदक जीतकर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया। निशानेबाजी में ही मध्यप्रदेश की आशी चौकसे ने महिला 50 मीटर राइफल श्री पोजिशन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता, जबकि मनीषा कीर ने महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल कर देश का मान बढ़ाया। इसी तरह मध्यप्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय सेलर हर्षिता तोमर ने

49इह स्रद्धा महिला स्किफ इवेंट में कांस्य पदक हासिल किया है। भारतीय महिला हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता में भी मध्यप्रदेश की बेटियों की महत्वपूर्ण भागीदारी रही। ईशिका चौधरी, बिच्छू देवी और सुशीला चानू भारतीय महिला हॉकी टीम का हिस्सा रहीं, जिसने एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया। एक बेटों की सफलता केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं होती, बल्कि वह पूरे परिवार, समाज और देश की सोच को बदलने की ताकत रखती है। एशियन गेम्स में बेटियों की सफलता उन सभी परिवारों के लिए प्रेरणा है, जो अपनी बेटियों को खेल, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, प्रशासन, उद्यमिता और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ते देkhना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए वातावरण तैयार हुआ है। 'बेटों बचाओ, बेटों पढ़ाओ' से लेकर बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने तक की सोच अब जमीन पर दिखाई दे रही है। मध्यप्रदेश में भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग की पहलियों और बेटियों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

एशियन गेम्स की बेटियों की सफलता हमें यह संदेश देती है कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं और नारों तक सीमित नहीं है। सच्चा सशक्तिकरण तब है, जब बेटों अपने सपनों का रास्ता स्वयं चुन सके, अपनी प्रतिभा को पहचान सके और अपनी मेहनत के बल पर दुनिया के सामने अपनी पहचान बना सके।

फोर्टिस गुरुग्राम ने थैलेसीमिया जन जागृति समिति और डीकेएमएस फाउंडेशन इंडिया के साथ मिलकर उज्जैन में लगाया थैलेसीमिया एवं ब्लड डिसऑर्डर स्क्रीनिंग शिविर

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। टियर-2 शहरों तक विशेषज्ञ बाल चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत फोर्टिस गुरुग्राम ने थैलेसीमिया जन जागृति समिति, उज्जैन और डीकेएमएस फाउंडेशन इंडिया के सहयोग से आज उज्जैन में निःशुल्क थैलेसीमिया एवं ब्लड डिसऑर्डर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया। महाराष्ट्रीय समाज धर्मशाला, तिलक स्मृति मंदिर में आयोजित इस शिविर को लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली, जहां 82 बच्चों और युवा मरीजों ने विशेषज्ञ चिकित्सकीय जांच, परामर्श और आवश्यक डायग्नोस्टिक सहायता प्राप्त की।

एफएमआरआई गुरुग्राम के पीडियाट्रिक हेमेटोलॉजी, ऑन्कोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट के विशेषज्ञों ने शिविर में मरीजों की जांच की। इनमें फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम के पीडियाट्रिक हेमेटोलॉजी, ऑन्कोलॉजी एवं बीएमटी के प्रिंसिपल डायरेक्टर एवं हेड डॉ. विकास दुआ और फोर्टिस हेमेटोलॉजी, ऑन्कोलॉजी एवं बीएमटी विभाग की कंसल्टेंट डॉ. सुनीषा अरोड़ा शामिल रहे। विशेषज्ञों ने थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया, हीमोफीलिया, एप्लास्टिक एनीमिया और अन्य दुर्लभ ब्लड



डिसऑर्डर से पीड़ित अथवा इनके लक्षण वाले बच्चों और युवा मरीजों का परीक्षण किया।

शिविर का एक प्रमुख आकर्षण बाल मरीजों के लिए निःशुल्क एफ टैस्टिंग की सुविधा रही, जो पात्र बच्चों के लिए उपलब्ध कराई गई। यह जांच उन परिवारों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है जो उपचारात्मक बोन मैरो ट्रांसप्लांट की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। इस दौरान आसपास के क्षेत्रों से आए परिवारों को विशेषज्ञ परामर्श के साथ-साथ उन्नत उपचार विकल्पों और आगे की उपचार प्रक्रिया को लेकर उचित मार्गदर्शन भी दिया गया।

शिविर की सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम के हेमेटोलॉजी, हेमेटो-ऑन्कोलॉजी एवं बोन

कलेक्टर की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की समीक्षा एवं अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।

कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर कार्यालय सभाक्षेत्र में समयावधि पत्रों की समीक्षा एवं अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने 'ए' मार्क किए गए समयावधि पत्रों की विभागवार

समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का प्राथमिकता एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. भरसट ने जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले रिफॉर्म उत्सव-2026 की तैयारियों की

समीक्षा करते हुए जिले में 28 सीएफआरआर (सामुदायिक वन संसाधन अधिकार) से संबंधित वनाधिकार प्रकरणों की कार्यवाही एक माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही लगभग 1700 व्यक्तिगत वनाधिकार पट्टाधारी हितग्राहियों को प्रगतिशील कृषि

गतिविधियों से जोड़ते हुए उनकी आजीविका एवं आय संवर्धन की दिशा में प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए। बैठक में 02 अक्टूबर को आयोजित ग्राम सभाओं एवं उनकी प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों

की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. भरसट ने स्वयं ग्राम पंचायत बाछेखेड़ा में आयोजित ग्राम सभा में सहभागिता के दौरान किए गए अवलोकन का उल्लेख करते हुए बताया कि ग्राम सचिव के पास ग्राम सभा का निर्धारित एजेंडा उपलब्ध नहीं पाया गया।

निजी स्कूलों की शिकायत पर सप्ताहभर बाद भी कार्रवाई नहीं, विभागीय निगरानी पर उठे सवाल

मान्यता, संचालन अनुमति, स्टाफ रिकॉर्ड और मूलभूत सुविधाओं की जांच का इंतजार; बीआरसी स्तर पर जारी अनुमतियों के सत्यापन की मांग

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/

दैनिक मालवा हेराल्ड। देपालपुर क्षेत्र के निजी विद्यालयों की मान्यता, संचालन व्यवस्था, शिक्षक पदस्थापन, छात्र संख्या और मूलभूत सुविधाओं को लेकर सामने आई शिकायत के एक सप्ताह बाद भी विभागीय स्तर पर ठोस कार्रवाई अथवा जांच की स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। लेकिन आरोपों की प्रकृति को देखते हुए शिक्षा विभाग के समक्ष रिकॉर्ड-आधारित सत्यापन और भौतिक निरीक्षण की आवश्यकता लगातार बनी हुई है। शिकायत में सरस्वती ज्ञान मंदिर अटाहेड़ा, स्वास्तिक एकेडमी सगड़ोद, श्री साईं एकेडमी चिकलेड़ा, सरस्वती शिक्षण संस्थान देपालपुर और ब्राइट प्यूचर बोयिशा से संबंधित मान्यता, कक्षा संचालन, स्टाफ रिकॉर्ड, छात्र क्षमता तथा अधोसंरचना को लेकर विभिन्न सवाल उठाए गए हैं। इन आरोपों की वास्तविक स्थिति संबंधित विद्यालयों के अधिकृत अभिलेख, विभागीय पोर्टल और मौके के निरीक्षण से ही निर्धारित की जा सकती है।

एक सप्ताह बाद भी जांच की स्थिति सार्वजनिक क्यों नहीं- शिकायत सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि संबंधित विकासखंड स्तर के अधिकारियों द्वारा अब तक किस स्तर पर संज्ञान लिया गया और यदि कोई प्रारंभिक जांच की गई है तो उसकी रिपोर्ट क्या है। विकासखंड शिक्षा अधिकाारी माधव बामनिया तथा विकासखंड स्त्रोत समन्वयक गणेशा सोलंकी से जुड़े स्तर पर शिकायत के



परीक्षण, निरीक्षण और रिकॉर्ड सत्यापन की स्थिति स्पष्ट किया जाना आवश्यक है। विशेष रूप से यदि संबंधित विद्यालयों को संचालन की अनुमति प्रदान करने की प्रक्रिया में विकासखंड स्तर की भूमिका रही है, तो उन्हीं विद्यालयों के संबंध में सामने आई शिकायतों के परीक्षण में हित-संघर्ष से बचने के लिए स्वतंत्र अथवा उच्चस्तरीय सत्यापन कराया जाना अधिक उपयुक्त होगा।

संचालन अनुमति जारी करने से पहले क्या-क्या जांचा गया था- पूरे मामले का तकनीकी केंद्र यही है कि जिन विद्यालयों को संचालन की अनुमति दी गई, उस समय निरीक्षण प्रक्रिया में किन मानकों का परीक्षण किया गया था।

समानता थी या नहीं? - कक्षा-कक्ष, पेयजल और शौचालय संबंधी सुविधाओं का निरीक्षण किस स्तर पर किया गया?

यदि इन बिंदुओं का परीक्षण पहले ही किया जा चुका है, तो संबंधित निरीक्षण रिपोर्ट और सत्यापन अभिलेख शिकायत के आरोपों की स्थिति स्पष्ट करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

सरकारी शिक्षक के निजी विद्यालय में अध्यापन का आरोप-रिकॉर्ड से होगी पुष्टि- क्या-क्या जांचा गया था- पूरे मामले का तकनीकी केंद्र यही है कि जिन विद्यालयों को संचालन की अनुमति दी गई, उस समय निरीक्षण प्रक्रिया में किन मानकों का परीक्षण किया गया था।

पंजिका, बायोमेट्रिक रिकॉर्ड, समय-सागरी, अवकाश अभिलेख और अन्य विभागीय रिकॉर्ड का मिलान किया जा सकता है। इसके साथ ही कथित निजी विद्यालय का स्टाफ रिकॉर्ड, टाइम-टेबल, उपस्थिति पंजिका और उपलब्ध अन्य दस्तावेज भी जांचे जा सकते हैं। यदि दोनों संस्थानों के समय में स्पष्ट ओवरलैप सामने आता है, तो संबंधित विभाग के लिए यह गंभीर प्रशासनिक सत्यापन का विषय होगा।

आठवीं की मान्यता और बारहवीं तक संचालन-दस्तावेज बताएंगे सच- शिकायत में कुछ विद्यालयों के संबंध में यह आरोप लगाया गया है कि मान्यता एक निश्चित कक्षा तक होने के बावजूद उसके ऊपर की कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। यह आरोप भी सीधे विभागीय मान्यता रिकॉर्ड से जांचा जा सकता है। मान्यता आदेश बनाम वास्तविक कक्षा संचालन का तुलनात्मक परीक्षण इस पूरे मामले को लेकर लगाए गए आरोपों की राह है। यदि मान्यता आठवीं तक है और वास्तविक संचालन बारहवीं तक पाया जाता है, तो संबंधित निरीक्षण की अनुमति, उच्च कक्षाओं के विद्यार्थियों का रिकॉर्ड और विभागीय स्तर पर किए गए पूर्व निरीक्षण की प्रक्रिया पर स्वाभाविक रूप से सवाल खड़े होंगे। वहीं यदि विद्यालय के पास उच्च कक्षाओं के संचालन की वैध अनुमति उपलब्ध है, तो वह दस्तावेज सामने आने पर आरोप स्वतः स्पष्ट हो सकते हैं।

ऑनलाइन स्टाफ बनाम मौके का स्टाफ-डिजिटल रिकॉर्ड का ऑडिट

जरूरी-ऑनलाइन पोर्टल और ऑफलाइन अभिलेखों में अंतर को लेकर भी शिकायत में सवाल उठाए गए हैं। इस बिंदु पर केवल पोर्टल पर दर्ज नामों को देखना पर्याप्त नहीं होगा। जांच में ऑनलाइन स्टाफ सूची, नियुक्ति आदेश, शैक्षणिक योग्यता, उपस्थिति पंजिका, वेतन भुगतान रिकॉर्ड, टाइम-टेबल और वास्तविक कक्षा संचालन का क्रॉस-वैरिफिकेशन किया जाना चाहिए। यदि रिकॉर्ड में दर्ज शिक्षक मौके पर कार्यरत नहीं मिलते हैं, तो उसका कारण भी दस्तावेजों के आधार पर स्पष्ट किया जाना आवश्यक होगा।

40 विद्यार्थियों वाली कक्षा का दावा- क्षेत्रफल और स्वीकृत क्षमता का परीक्षण जरूरी- छात्र संख्या और कक्षा-कक्ष के आकार को लेकर लगाए गए आरोपों की भी मौके पर माप और रिकॉर्ड से पुष्टि की जा सकती है। किसी कमरे में 40 विद्यार्थी बैठते हैं या नहीं, यह केवल अनुमान का विषय नहीं होना चाहिए। निरीक्षण दल द्वारा प्रत्येक कक्षा का वास्तविक क्षेत्रफल, नामांकित विद्यार्थियों की संख्या, फर्नीचर की स्थिति, प्रकाश, वेंटिलेशन और आवागमन की उपलब्ध जगह दर्ज की जा सकती है। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि विद्यालय की स्वीकृत क्षमता और वास्तविक उपयोग के बीच कितना अंतर है।

पेयजल और शौचालय की स्थिति और मौके पर जांचे विभाग-पेयजल एवं स्वच्छता से जुड़े आरोपों की पुष्टि के लिए केवल विद्यालय प्रबंधन का बयान पर्याप्त नहीं होगा। जलस्रोत, भंडारण व्यवस्था, पानी की उपलब्धता, शौचालयों की संख्या, बालक-बालिका के लिए पृथक

सुविधा और साफ-सफाई की स्थिति का भौतिक निरीक्षण किया जाना चाहिए। आवश्यकता होने पर पेयजल का प्रयोगशाला परीक्षण भी कराया जा सकता है, जिससे शिकायत के इस हिस्से पर तथ्यात्मक स्थिति सामने आ सके। जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर भी उठ रहे सवाल- शिकायत के बाद यदि संबंधित स्तर पर निरीक्षण या जांच लंबित है, तो यह जानना जरूरी है कि शिकायत किस अधिकारी के पास कब पहुंची, उस पर क्या कार्रवाई प्रस्तावित हुई और वर्तमान में फाइल किस स्तर पर लंबित है।

वहीं, यदि विकासखंड स्त्रोत समन्वयक गणेश सोलंकी की भूमिका विद्यालयों की संचालन अनुमति अथवा निरीक्षण प्रक्रिया में रही है, तो इस भूमिका का तथ्यात्मक परीक्षण किया जाना चाहिए। किसी अधिकारी पर व्यक्तिगत रूप से आरोप निर्धारित करने के बजाय यह स्पष्ट होना चाहिए कि संबंधित अनुमति किस नियम, किस निरीक्षण रिपोर्ट और किन दस्तावेजों के आधार पर जारी की गई। इसी प्रकार उच्च अधिकारियों - लोक शिक्षण संयुक्त संचालक अनीता चौहान, जिला शिक्षा अधिकारी शौर्य मल्होत्रा, डीपीसी अजय मिश्रा तथा सहायक संचालक सक्षम मिश्रा के लिए शिकायत के निवारण की वर्तमान स्थिति भी सार्वजनिक की जानी चाहिए।

अब सवाल कार्रवाई का नहीं, रिकॉर्ड सामने रखने का भी है-इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आरोपों की पुष्टि या खंडन दस्तावेजों और स्वतंत्र निरीक्षण से किया जाए। यदि विद्यालय

नियमों के अनुरूप संचालित हो रहे हैं तो विभागीय रिकॉर्ड और निरीक्षण रिपोर्ट से स्थिति स्पष्ट हो सकती है। यदि अनियमितता पाई जाती है तो नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए।

इसलिए अब विभाग के सामने पांच स्पष्ट सवाल हैं- पहला- शिकायत मिलने के बाद किस अधिकारी ने क्या कार्रवाई की?

दूसरा- संबंधित विद्यालयों की मान्यता और संचालन अनुमति का वर्तमान रिकॉर्ड क्या कहता है?

तीसरा- ऑनलाइन और ऑफलाइन स्टाफ रिकॉर्ड का सत्यापन किया गया या नहीं?

चौथा- छात्र संख्या, कक्षा क्षेत्रफल, पेयजल और शौचालय सुविधाओं का वास्तविक निरीक्षण हुआ या नहीं?

पांचवां- यदि संचालन अनुमति जारी करने से पहले निरीक्षण किया गया था, तो उसकी रिपोर्ट में क्या तथ्य दर्ज हैं? जांच से ही साफ होगी तस्वीर- फिलहाल उपलब्ध शिकायतों के आधार पर किसी विद्यालय या अधिकारी को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। लेकिन शिकायत में उठाए गए बिंदु ऐसे हैं जिन्हें रिकॉर्ड सत्यापन, मौके के निरीक्षण और संबंधित पत्रों का पक्ष लेकर स्पष्ट किया जा सकता है। अब निगाह इस बात पर है कि शिक्षा विभाग शिकायत को केवल एक आवेदन मानकर अभिलेखों में सीमित रखता है या मान्यता, संचालन अनुमति, स्टाफ सत्यापन और विद्यालयीन अधोसंरचना का संयुक्त निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति सामने लाता है।

शेखावत के आरोपों पर पूर्व मंत्री दत्तीगांव का तीखा पलटवार

दत्तीगांव ने गिनवाई उपलब्धियां, कहा— एक-एक गांव ले जाकर विकास कार्य दिखाने को तैयार हूँ

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर विधायक भंवर सिंह शेखावत द्वारा रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए गए गंभीर आरोपों पर पूर्व मंत्री व वरिष्ठ नेता राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर जोरदार पलटवार किया है। दत्तीगांव ने शेखावत के सभी आरोपों को निराधार, भ्रामक, राजनीतिक द्वेष से प्रेरित और केवल श्रेय लेने की राजनीति करार दिया। गौरतलब है कि रविवार को विधायक भंवर सिंह शेखावत ने नर्मदा परियोजना का काम अधूरा रहने और क्षेत्र में जुए-सट्टे को बढ़ावा देने का मुद्दा उठाते हुए दत्तीगांव पर बदनावर के विकास को अवरुद्ध करने के कई आरोप लगाए थे।

राजनीतिक जुड़ाव का अंतर स्पष्ट करते हुए दत्तीगांव ने कहा की मैं वर्ष 1998 में अपने पहले चुनाव से लेकर आज तक लगातार बदनावर विधानसभा क्षेत्र की जनता के बीच सक्रिय रहा हूँ। चुनाव हारूँ या जीतूँ, मैंने कभी बदनावर का साथ नहीं छोड़ा और न ही यहाँ से बाहर गया। इसके विपरीत, भंवर सिंह शेखावत 2018 का चुनाव हारते ही बदनावर से गायब हो गए थे। उन्हें केवल विधायक बनने की लालसा है, बदनावर की



जनता के सुख-दुख से कोई सरोकार नहीं है। आलम यह है कि आज भी वे दोपहर 12 बजे से पहले बदनावर में दिखाई तक नहीं देते। दत्तीगांव ने शेखावत के राजनीतिक आचरण पर सवाल उठाते हुए कहा कि शेखावत सार्वजनिक रूप से उन्हें अपना %भांजा% कहते थे। लेकिन जब उसी भांजे को भाजपा से टिकट मिला, तो शेखावत पार्टी और सिद्धांतों के खिलाफ खड़े हो गए और कांग्रेस का दामन थाम लिया। दत्तीगांव ने याद दिलाया कि जिस भाजपा ने शेखावत को मात्र 13 दिनों के चुनाव प्रचार में जीत दिलाकर विधायक बनाया था, उन्होंने उसी

पार्टी का साथ छोड़ दिया। शेखावत की कार्यशैली पर सीधा हमला बोलते हुए पूर्व मंत्री ने कहा की शेखावत ने हमेशा क्षेत्र के विकास का विरोध ही किया है। जब बदनावर में देश का सबसे बड़ा %पीएम मित्रा मेगा टेक्सटाइल पार्क% लाया जा रहा था, तब भी उन्होंने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर इसे न बनने देने की मांग की थी। शेखावत केवल भाजपा सरकार के कार्यों का झुठ श्रेय लेना जानते हैं, जबकि धरतल पर हमेशा काम का विरोध करते हैं। दत्तीगांव ने अपने जमीनी जुड़ाव का उल्लेख करते हुए शेखावत को खुली चुनौती दी की मैंने इतने सालों में बदनावर विधानसभा के एक-एक गांव और मजरे-टोले को पैदल नापा है। मुझे आज भी हर एक बूथ की समस्याओं की पूरी जानकारी है। क्या शेखावत दावा कर सकते हैं कि वे पूरी बदनावर विधानसभा में एक बार भी गए हैं? मेरे द्वारा किए गए विकास कार्यों की एक लंबी सूची है; अगर शेखावत कहें तो मैं उन्हें एक-एक गांव में ले जाकर

अपने विकास कार्य दिखा सकता हूँ। नर्मदा परियोजना पर शेखावत के आरोपों का जवाब देते हुए दत्तीगांव ने स्थिति स्पष्ट किया नर्मदा परियोजना का श्रेय लेने की कोशिश करने वाले शेखावत भी अच्छी तरह जानते हैं कि इस प्रोजेक्ट के लिए मैंने कितना संघर्ष किया है। दर्जनों अधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर मैंने इस परियोजना की शुरुआत कराई थी। वर्तमान में परियोजना में जो विलंब हुआ है, वह केवल तकनीकी कारणों से है। कार्य पूरी तरह प्रगति पर है और बंद नहीं हुआ है। शेखावत द्वारा पूछे गए सवाल दत्तीगांव ने बदनावर के लिए क्या किया? का जवाब देते हुए पूर्व मंत्री ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का ब्योरा देते हुए कहा की बदनावर में देश के सबसे बड़े इंडस्ट्रियल पीएम मित्रा मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना कराई गई, जिससे क्षेत्र के हजारों युवाओं को रोजगार मिला। बदनावर और कोद में अत्याधुनिक व सर्वसुविधायुक अस्पतालों का निर्माण। बदनावर में विश्वस्तरीय सीएम राइज स्कूल, बागड़ी डैम और सोया प्लांट की स्थापना कर क्षेत्र को विकासशील बनाया। दत्तीगांव ने कहा कि इन सभी परियोजनाओं से प्रत्यक्ष

और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों स्थानीय लोगों को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। विधायक शेखावत द्वारा क्षेत्र में जुए-सट्टे को बढ़ावा देने के आरोपों का कड़ा जवाब देते हुए दत्तीगांव ने तीखा हमला बोला - जो व्यक्ति खुद इंदौर के मशाल होटल में 50,000 के जुए के मामले में पकड़ा जा चुका हो, वह आज मुझ पर क्षेत्र में जुए को बढ़ावा देने का अनर्गल आरोप लगा रहा है। मैं खुली चुनौती देता हूँ कि यदि मुझ पर लगाया गया एक भी आरोप सिद्ध हो जाए, तो मैं राजनीति का रण हमेशा के लिए छोड़ दूँगा। दत्तीगांव ने आगे कहा कि शेखावत का राजनीतिक चरित्र और सच्चाई क्या है, यह बात कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने स्वयं बड़ी चौपाटी पर आम जनता के सामने उजागर कर दी थी।

पत्रकारों से चर्चा के अंत में दत्तीगांव ने कहा कि विधायक भंवर सिंह शेखावत केवल अनर्गल आरोप लगाकर बदनावर की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, बदनावर की समझदार जनता भली-भांति जानती है कि क्षेत्र के वास्तविक विकास के लिए किसने पसीना बहाया है और कौन केवल चुनाव के समय राजनीति करने आता है।

NSUI द्वारा मिलन समारोह कार्यक्रम संपन्न



देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। NSUI द्वारा मिलन समारोह एवं परिचय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के

साथ हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं NSUI के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संगठन की गतिविधियों, छात्र हितों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर साथियों के बीच संवाद और परिचय हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर समस्त NSUI टीम के साथ नाचा किया गया तथा आपसी भाईचारे एवं संगठनात्मक एकजुटता के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं हस्तु कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

सौरभ पांडे बने ABVP खेलो भारत धारा विभाग के सदस्य



देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा सौरभ पांडे को खेलो भारत धारा (विभाग) का सदस्य बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सौरभ पांडे को मिली इस नई जिम्मेदारी पर उन्होंने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए युवाओं एवं

विद्यार्थियों को खेलों से जोड़ने तथा खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की बात कही। इस अवसर पर ABVP कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने सौरभ पांडे के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

आदतन अपराधी छह माह के लिए जिला बंदर

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाड़ा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में कानून-व्यवस्था एवं लोक-शान्ति बनाए रखने के उद्देश्य से जिला दण्डाधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5 (क, ख) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदतन अपराधी फकरू पिता मेसु बबेरिया, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम छालकिया, पुलिस थाना झाबुआ को छह माह की अवधि के लिए जिला बंदर किए जाने का आदेश जारी किया है।

जारी आदेशानुसार संबंधित व्यक्ति को आदेश प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर झाबुआ जिले की राजस्व सीमा सहित समीपवर्ती जिलों धार, रतलाम, आलीराजपुर, खरगोन एवं बड़वानी की राजस्व सीमाओं से बाहर जाना होगा। जिला बंदर आदेश छह माह की अवधि तक प्रभावशील रहेगा। इस दौरान सक्षम न्यायालय की पूर्व लिखित अनुमति के बिना संबंधित क्षेत्रों में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस अधीक्षक झाबुआ द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध लूट, चोरी, मारपीट, आर्मस् एक्ट एवं धोखाधड़ी से संबंधित अपराध पंजीबद्ध हैं तथा वह वर्ष 2016 से थाना क्षेत्र झाबुआ में आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय रहा है। उसकी आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पूर्व में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई, किंतु इसके बावजूद आपराधिक गतिविधियों में अपेक्षित सुधार परिलक्षित नहीं हुआ।

गरोठ आंगन मिलन सेवा समारोह आयोजित



खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालावा हेराल्ड। महिला बाल विकास विभाग गरोठ शिव कमल रिसोर्ट गरोठ में आज महिला बाल विकास विभाग का आंगनबाडीलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि सांसद सुधीर गुप्ता नगर परिषद अध्यक्ष राजेश सेठिया, जनपद अध्यक्ष पति रणजीतसिंह जी, जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रियंका गोस्वामी, भाजपा मंडल महिला मोर्चा सरिता सेठिया, मीना पंचाबी, महिला मोर्चा के सभी टीमआदि की उपस्थिति में कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन से की गई, तत्पश्चात बालिकाओं का कन्या पूजन किया गया अतिथियों का स्वागत हर फूल से किया गया । कार्यक्रम का संचालन अर्चना मालवीय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मंगल दिवस आयोजन किया जाकर तीन गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई पोषण आहार दिया गया एवं उन्हें फ्रूट बास्केट प्रदाय कीगई, दो सेम बच्चों को फ्रूट बास्केट प्रदाय की गई। आंगन मिलन की रंगोली कार्यकर्ताओं द्वारा बनाई गई एवं पोषण आहार प्रदर्शनी भी कार्यकर्ताओं द्वारा पौष्टिक व्यंजन लाकर प्रदर्शित की गई। सांसद गुप्ता द्वारा पोषण मां एवं आंगन मिलन कार्यक्रम के बारे में महिलाओं को समझाया गया एवं शासन की योजनाओं से अवगत करवाया जाकर महिलाओं एवं बच्चों में पोषण आहार का महत्व समझाया गया एवं हमारे देश में कुपोषण काम हो रहा है यह जानकारी दी गई एवं आंगन मिलन कार्यक्रम में आंगनबाड़ी की सेवाओं एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। अतिथियो ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं का सम्मान पुष्प की माला पहनकर किया गया। महिलाओं, हितग्राहियों द्वारा सेल्फी भी ली गई। महिला बाल विकास से ब्लॉक कोऑर्डिनेटर श्यामलाल लोधा पर्यवेक्षक रेखा सोनी राधिका कुमावत पर्यवेक्षक पर्यवेक्षक मंजू गुप्ता आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका आशा कार्यकर्ता है एवं आंगनवाड़ी के हितग्राही एवं बच्चे उपस्थित रहे। अंत में आभार परियोजना अधिकारी रीना झिंझोरिया द्वारा व्यक्त किया गया

मंदसौर के वरिष्ठ अभिभाषक साहू कातिलाल राठौर भोपाल में ‘मध्यप्रदेश गौरव सम्मान’ से अलंकृत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर के वरिष्ठ एडवोकेट एवं पूर्व लोक अभियोजक साहू कातिलाल राठौर को भोपाल में आयोजित एक गरिमामय समारोह में प्रतिष्ठित ‘मध्यप्रदेश गौरव सम्मान’ से अलंकृत किया गया है। प्रेस क्लब वेलफेयर वर्ल्ड वाइड फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ‘भारत अनाई समारोह-2026’ का आयोजन भोपाल स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल पॉलिटेक्निक कॉलेज के सभागार में भव्यता के साथ संपन्न हुआ।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक सम्पन्न



झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला जल उपयोगिता समिति के अध्यक्ष डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में सोमवार को जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के जलाशयों में उपलब्ध जल की स्थिति, रबी सिंचाई लक्ष्य, पेयजल आरक्षण, लंबित जलकर राजस्व की वसूली तथा आगामी ग्रीष्म ऋतु में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में समिति के सचिव एवं कार्यपालन यंत्री श्री विपिन कुटुडार ने अवगत कराया कि वर्तमान में जिले की कूल 255 सिंचाई योजनाओं में 57.61 प्रतिशत उपयोगी जल भराव उपलब्ध है, जबकि गत वर्ष यह 100 प्रतिशत था। उपलब्ध जल की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष रबी सीजन में 55 हजार 78 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य प्रस्तावित किया गया है, जबकि गत वर्ष रबी सिंचाई का लक्ष्य 70 हजार 561 हेक्टेयर था। बैठक में उपलब्ध जल की मात्रा के दृष्टिगत यह निर्धारित किया गया कि पानी की कमी के कारण रबी फसलों के लिए किसानों को सिंचाई हेतु केवल दो पानी उपलब्ध कराया जा सकेगा। कलेक्टर डॉ. भरसट ने कृषि विभाग एवं उद्यानिकी विभाग को किसानों को जल

सेवा संकल्प अभियान के तहत यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वामी विवेकानंद स्कूल परिसर में थाना प्रभारी संजय सिंह राजपूत ने विद्यार्थियों को पढ़ाया यातायात नियमों का पाठ

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाड़ा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के तहत अकोदिया पुलिस विभाग द्वारा नगर के प्रसिद्ध स्वामी विवेकानंद पब्लिक हाई स्कूल परिसर में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने सहित सुरक्षित यातायात के महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी संजय सिंह राजपूत ने कहा कि यदि विद्यार्थी बचपन से ही कुछ महत्वपूर्ण नियमों का पालन करना सीख जाए तो वह एक सर्वगुण संपन्न व्यक्तित्व का धनी बन सकता है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई-लिखाई के साथ माता-पिता की आज्ञा का पालन और यातायात नियमों का अनुशासनपूर्वक पालन करने की आदत जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने



विद्यार्थियों से स्वयं यातायात नियमों का पालन करने के साथ अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इसके लिए जागरूक करने का आह्वान किया।

महिला बाल विकास विभाग गरोठ शिव कमल रिसोर्ट गरोठ में आज महिला बाल विकास विभाग का आंगनबाडी कार्यक्रम का आयोजन किया गया

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालावा हेराल्ड। महिला बाल विकास विभाग गरोठ शिव कमल रिसोर्ट गरोठ में आज महिला बाल विकास विभाग का आंगनबाडीलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि सांसद सुधीर गुप्ता विधायक महोदय चंद्रसिंह सिसोदिया नगर परिषद अध्यक्ष राजेश सेठिया, जनपद अध्यक्ष कुंवर पति रणजीतसिंह जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रियंका गोस्वामी भाजपा मंडल अध्यक्ष रेखा मंडलिया जी महिला मोर्चा सरिता सेठिया , मीना जी पंचाबी आदि की उपस्थिति में कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन से की



गई तत्पश्चात बालिकाओं का कन्या पूजन किया गया अतिथियों का स्वागत हर फूल से किया गया कार्यक्रम का संचालन अर्चना मालवीय द्वारा किया गया कार्यक्रम में मंगल दिवस आयोजन किया जाकर तीन गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई पोषण आहार दिया गया

एवं उन्हें फ्रूट बास्केट पैदा कीगई दो सेम बच्चों को फ्रूट बास्केट प्रदाय की गई आंगन मिलन की रंगोली कार्यकर्ताओं द्वारा बनाई गई एवं पोषण आहार प्रदर्शनी भी कार्यकर्ताओं द्वारा पौष्टिक व्यंजन लाकर प्रदर्शित की गई सांसद सुधीर गुप्ता द्वारा पोषण मां एवं आंगन मिलन कार्यक्रम के बारे में महिलाओं को समझाया गया एवं शासन की योजनाओं से अवगत करवाया जाकर महिलाओं एवं बच्चों में पोषण आहार का महत्व समझाया गया एवं हमारे देश में कुपोषण काम हो रहा है आंगन मिलन कार्यक्रम में आंगनबाड़ी की सेवाओं एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया लाडली बहना, प्रधानमंत्री मातृत्व योजना , लाडली

लक्ष्मी योजना के हितग्राही से संवाद किया गया पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया एवं प्रेरित किया गया अतिथियो द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं का सम्मान पुष्प की माला पहनकर किया गया महिलाओं हितग्राहियों द्वारा सेल्फी भी ली गईमहिला बाल विकास से ब्लॉक कोऑर्डिनेटर श्याम लाल लोधा पर्यवेक्षक राधिका कुमावत पर्यवेक्षक मंजू गुप्ता आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका आशा कार्यकर्ता है एवं आंगनबाड़ी के हितग्राही एवं बच्चे उपस्थित रहे अंत में आभार परियोजना अधिकारी रीना झिंझोरिया द्वारा व्यक्त किया गया।

संघ उन्नति एवं विकास की राह में सकारात्मक सोच का शंखनाद

स्थानकवासी जैन श्रावक संघ की बैठक में चातुर्मास सहित समाजहित के विषयों पर हुआ सार्थक मंथन

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के पदाधिकारीयण एवं कार्यकारीणी सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक जीवदया मानव सेवा समिति में सकारात्मक एवं आत्सीय वातावरण में आयोजित हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संघ की उन्नति, विकास, एकता एवं समाजहित के कार्यों को नई दिशा देना रहा।

बैठक में संघ अध्यक्ष सतीश जैन सावेरवाला एवं सचिव अनिल पावेचा ने संगठन को मजबूत बनाने तथा सभी को साथ लेकर समाजहित के कार्यों को गति देने को लेकर महत्वपूर्ण विचार रखे। दोनों पदाधिकारियों ने सदस्यों के सुझावों को प्राथमिकता देते हुए आपसी समन्वय एवं सामूहिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ने पर जोर दिया।

बैठक में आगामी चातुर्मास को लेकर भी विशेष रूप से मंथन किया गया। चातुर्मास के दौरान धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों को बेहतर ढंग से संचालित करने तथा अधिक से अधिक समाजजनों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सुझाव सामने आए।

बैठक में महिला मंडल, बहू मंडल एवं बालिका मंडल की बहनों एवं बालिकाओं की भी



विशेष उपस्थिति रही। उनकी सहभागिता ने बैठक को और अधिक व्यापक एवं सार्थक बनाया।

बैठक के प्रारंभ में मंचासीन अतिथियों द्वारा भगवान के समक्ष माल्यार्पण एवं अर्पण कर मंगलमय वातावरण में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात सभी सदस्यों द्वारा मंचासीन अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों में रवि काठेड, प्रकाशचन्द्र जैन बुढ़ावनवाला, गंभीरमल पावेचा, राजेन्द्र काठेड, राजेन्द्र लुणावत एवं दिलीप काठेड प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

रवि काठेड ने अपने संबोधन में कहा कि संघ की उन्नति, विकास एवं समाजहित के कार्यों के लिए मेरा तन, मन और धन से हर समय पूर्ण

सहयोग रहेगा। उन्होंने

कहा कि सकारात्मक सोच, आपसी विश्वास और एकजुटता के साथ समाज को नई दिशा दी जा सकती है।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। सभी ने संघ की गरिमा, परंपरा एवं एकता को बनाए रखते हुए

सकारात्मक सोच के साथ समाजहित में मिल-जुलकर आगे बढ़ने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक में दिखाई दी एकजुटता और उत्साह ने यह संदेश दिया कि संघ की मजबूती केवल पदाधिकारियों की नहीं, बल्कि हर सदस्य की सहभागिता और सामूहिक भावना से संभव है।

बैठक के पश्चात स्नेहभोज का आयोजन हुआ, जिसमें सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं उपस्थित समाजजनों ने आत्मीयता के साथ सहभागिता की।

यह बैठक केवल विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रही, बल्कि संघ की उन्नति एवं विकास की राह में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का एक नए उत्साह से शंखनाद बनी।

तीन दिवसीय निःशुल्क प्रिवेंटिव स्वास्थ्य शिविर 7 अक्टूबर से

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन के नेतृत्व में रेडक्रॉस सोसायटी, स्वास्थ्य विभाग झाबुआ एवं श्री अरविंदो हॉस्पिटल, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय तीन दिवसीय निःशुल्क प्रिवेंटिव स्वास्थ्य शिविर 07, 08 एवं 09 अक्टूबर 2026 को शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय, बाड़कुआ, झाबुआ में आयोजित किया जाएगा। शिविर प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित होगा। शिविर का उद्देश्य जिले के नागरिकों को एक ही स्थान पर विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श, आधुनिक जांच एवं आवश्यक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना है। शिविर में श्री अरविंदो हॉस्पिटल, इंदौर के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा कैंसर, स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, दंत एवं मुख कैंसर, हृदय रोग, शिशु हृदय रोग, हार्मोन संबंधी रोग, किडनी एवं मूत्र रोग, पेट रोग, मनोरोग, हड्डी एवं शिशु हड्डी रोग, स्त्री रोग, शिशु रोग, नेत्र रोग, नाक-कान-गला रोग, त्वचा रोग सहित मेडिसिन एवं सर्जरी से संबंधित मरीजों का निःशुल्क परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श किया जाएगा। शिविर में अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से मेमोग्राफी, सर्वाइकल कैंसर जांच, पैप स्मीयर, बायोप्सी, काल्पोस्कोपी, सोनोग्राफी, 2-डी इको, फाइब्रोस्कोपी, मुख कैंसर एवं दांतों की सामान्य जांच, मोतियाबिंद एवं अन्य नेत्र जांच, ब्लड प्रेशर, ईसीजी, आर्बीएस शुगर एवं हीमोग्लोबिन जांच की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। महिलाओं में कैंसर की समय पर पहचान एवं रोकथाम के उद्देश्य से मध्य भारत की अत्याधुनिक ‘उम्मीदों वाली बस’ भी शिविर में उपलब्ध रहेगी। इसके माध्यम से स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर एवं मुंह के कैंसर की जांच के साथ नेत्र रोग संबंधी जांच एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। शिविर में मरीजों के लिए निःशुल्क परिवहन एवं जांच की व्यवस्था के साथ पात्र हितग्राहियों का आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत निःशुल्क उपचार की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में आने वाले मरीजों से अपना आधार कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड अनिवार्य रूप से साथ लाने का आग्रह किया गया है।

एक सप्ताह बाद खुले बाजार... लौटी चहल-पहल, मगर कारोबार अब भी ठप

शाही मस्जिद विवाद के बाद छत्री चौक-गोपाल मंदिर क्षेत्र में धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हलात- 30 से 35 करोड़ का कारोबार प्रभावित

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शाही मस्जिद को लेकर 28 सितंबर को हुए विवाद के आठ दिन बाद सोमवार को छत्री चौक, गोपाल मंदिर और आसपास के बाजारों के शटर उठे। लंबे इंतजार के बाद दुकानें खुलीं तो व्यापारियों के चेहरों पर राहत दिखाई दी, लेकिन बाजार की पुरानी रौनक गायब थी। कहीं दुकानदार ग्राहकों का इंतजार करते नजर आए तो कहीं सड़कों पर बैरिकेडिंग के बीच लोग पैदल निकलते दिखाई दिए। शाही मस्जिद के आसपास अब भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है और पुलिस बल तैनात है।



उल्लेखनीय है कि विवाद के बाद करीब 300 से 500 मीटर के दायरे में पटनी बाजार, छोट्टा-बड़ो सरापना, नलिथा बाखल, छत्री चौक, लखेवाड़ी, गोपाल मंदिर, ढाबा रोड, खड़े हनुमान और सती गेट से कंठाल तक का बाजार प्रभावित रहा। व्यापारियों के अनुसार करीब एक सप्ताह बाजार बंद रहने से 30 से 35 करोड़ रुपए का कारोबार प्रभावित हुआ है। इसका असर दुकानदारों के साथ रोज कमाकर परिवार चलाने वाले मजदूरों और छोटे

मस्जिद में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार



उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चामुंडामाता चौराहा स्थित अल्लह करीम मस्जिद में एसी की तांबे की गैस पाइप चोरी करने वाले आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर करीब 5-6 किलो तांबे की पाइप, कीमत करीब 9 हजार रुपए बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार 7 सितंबर को मस्जिद में चोरी हुई थी। आरोपी एसी की करीब 40 फीट लंबी तांबे की गैस पाइप तोड़कर ले गया था। इसके अलावा छत पर लगी पानी की टंकियों के एसी की तांबे की दो कौंइल चोरी करने का भी प्रयास किया गया था।

मामले में कोतवाली थाने में अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। सीएसपी कोतवाली संजू चौहान और टीआई दीनबंधु सिंह तोमर के निर्देशन में टीम ने मुखबिर सूचना और तकनीकी जानकारी के आधार पर शादाब उर्फ खलीफा (26), निवासी जुना सोमवारिया, हल अहमद नगर को आगर रोड स्थित रेलवे क्वार्टर के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर चोरी की पाइप बरामद की गई। न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया।

आदतन अपराधी निकला आरोपी- पुलिस के मुताबिक शादाब के खिलाफ उज्जैन शहर के विभिन्न थानों में चोरी और नकबजनी के चार से अधिक मामले दर्ज हैं। पूर्व में तोपखाना क्षेत्र स्थित मस्जिद में चोरी की वारदात में भी उसकी सलिस्सता सामने आई है।

पुलिस टीम की भूमिका- कार्रवाई में टीआई दीनबंधु सिंह तोमर, उनि गोपाल सिंह राठौर, आरक्षक हेमराज और आरक्षक रश्मिकेश तोमर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आज से महाकाल में सजेगी सांडी, घट स्थापना के साथ सात दिवसीय महोत्सव शुरू

श्राद्ध पक्ष में रोज सजेगी प्राचीन सांडी की शिला, रंगोली-चित्रकला से लेकर श्लोक पाठ प्रतियोगिताएं होंगी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्राद्ध पक्ष में महाकाल मंदिर की परंपरा से जुड़ा उमा-सांडी महोत्सव आज मंगलवार से शुरू होगा। 6 से 12 अक्टूबर तक चलने वाले सात दिवसीय महोत्सव की शुरुआत घट स्थापना के साथ होगी। इस दौरान प्राचीन सांडी की शिला पर प्रतिदिन आकर्षक रंगोली सजाई जाएगी। भगवान महाकाल के विभिन्न स्वरूपों के मुखौटों से झांकियां भी सजेगी। महाकालेश्वर मंदिर में आज शाम की मंदिर के बाद 21 ब्राह्मणों द्वारा वसंत पूजा की जाएगी। इसके बाद महाकाल महालोक में खरगोन के संजय महाजन का लोकनृत्य समूह

और नर्मदापुरम की ममता मिश्रा लोकगायन की प्रस्तुति देंगे। महालोक में प्रतिदिन शाम को लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, जबकि मंदिर के सभामंडप में हर दिन हरिकीर्तन होगा।

प्रतियोगिताओं का भी आयोजन- महोत्सव के तहत 7 अक्टूबर को चित्रकला प्रतियोगिता, 8 अक्टूबर को श्लोक पाठ, 9 अक्टूबर को रंगोली और 10 अक्टूबर को तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता होगी। प्रतिदिन शाम 5 से 6.30 बजे तक सभामंडप में ग्वालियर के योगेश पुरंदरे ढोली बुआ महाराज और सहयोगियों

द्वारा हरिकीर्तन किया जाएगा। 10 अक्टूबर की रात 11 बजे से सुबह 3 बजे तक जस्सू गुरु एवं मंडली द्वारा सुंदरकांड पाठ और रात्रि जागरण होगा। 11 अक्टूबर को महाकालेश्वर निःशुल्क अन्नक्षेत्र में कन्या पूजन और कन्या भोज का आयोजन किया जाएगा।

12 को उमा माता की सवारी से समापन- महोत्सव का समापन 12 अक्टूबर को होगा। शाम 4 बजे मंदिर के सभामंडप में पूजन के बाद उमा माता की पारंपरिक सवारी निकलेगी और जवारे विसर्जन किया जाएगा। उमा माता की सवारी महोत्सव का प्रमुख आकर्षण रहेगी।

आठ दिन तक दुकान बंद रहने से रोज कमाने-खाने वालों के सामने बड़ी परेशानी खड़ी हो गई थी। सोमवार को दुकान खोली, लेकिन ग्राहक बहुत कम आए। त्योहार नजदीक होने से व्यापारियों को उम्मीद है कि जल्द ही पूरी आवाजाही शुरू होगी। अभय जैन ने बताया कि लंबे अंतराल के बाद बाजार खुला है। फिलहाल स्थिति शांत है, लेकिन व्यापार को बड़ा नुकसान हुआ है। बैरिकेडिंग के कारण ग्राहक अंदर तक नहीं आ पा रहे हैं और कई जगह केवल पैदल आवाजाही हो रही है। पप्पू वैरागी के अनुसार दुकानें खुलना शुरू हो गई हैं, लेकिन कारोबार अभी लगभग न के बराबर है। कुछ व्यापारियों ने सोमवार को शटर उठाए, जबकि बाकी भी धीरे-धीरे दुकानें खोलने की तैयारी में हैं।

कहीं वाहन दौड़े, कहीं अब भी पैदल रास्ता- बाजार खोलने के साथ प्रशासन ने कई स्थानों से बैरिकेडिंग हटाई है। खराकुआं से गोपाल मंदिर तक रास्ता खुलने के बाद दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही

शुरू हो गई है। वहीं कंठाल से खड़े हनुमान तक दुकानें खुल गई हैं, लेकिन मंदिर के आगे बैरिकेडिंग मौजूद है। लखेवाड़ी और छत्री चौक में भी दुकानें धीरे-धीरे खुल रही हैं। हालांकि छत्री चौक पर अभी वाहनों का प्रवेश बंद है और पैदल आवाजाही ही हो रही है। सबसे ज्यादा सुरक्षा व्यवस्था शाही मस्जिद क्षेत्र में है। मस्जिद के आसपास बैरिकेडिंग बरकरार है और पुलिस बल तैनात है। क्षेत्र की कई दुकानें अभी भी बंद हैं।

त्योहार से पहले सामान्य होने की उम्मीद- आठ दिन बाद बाजार खुलने से व्यापारियों को कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन उनका कहना है कि असली राहत तभी मिलेगी, जब बाजार में सामान्य आवाजाही शुरू होगी। त्योहार का सीजन सामने है। ऐसे में व्यापारियों को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द ही सुरक्षा व्यवस्था के साथ रास्तों को पूरी तरह खोल देगा।

फिलहाल स्थिति यह है कि बाजार के शटर उठ गए हैं, लेकिन कारोबार की रफ्तार अभी नहीं लौटी। आठ दिन की बंदी का असर आने वाले दिनों में भी व्यापार पर दिखाई देने की आशंका है।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को गति, तीन प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण कार्य हुए प्रारंभ

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के निर्देशानुसार सिंहस्थ महापर्व 2028 को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन से प्राप्त राशि के अंतर्गत नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख आंतरिक मार्गों के चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्यों को गति दी जा रही है। इसी क्रम में गाड़ी अड्डा से निकास चौराहा, बंबई वाले की धर्मशाला से दानी गेट तथा गुदरी चौराहा से पानदरीबा होते हुए हरसिद्धि पाल तक मार्ग चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

सोमवार को निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा अधिकारियों के साथ इन मार्गों का स्थल निरीक्षण किया। आयुक्त द्वारा संबंधित अधिकारियों को कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा सभी आवश्यक कार्यों को आपसी समन्वय के साथ तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने मार्गों पर सीवरेंज कार्य, नाली निर्माण सहित अन्य आवश्यक अधोसंरचनात्मक कार्यों को भी प्राथमिकता से पूर्ण करने को कहा।



क्षेत्र के रहवासियों का मिल रहा सकारात्मक सहयोग- मार्ग चौड़ीकरण कार्य में क्षेत्र के रहवासियों द्वारा सकारात्मक सहयोग किया जा रहा है। रहवासी स्वयं अपने मकानों एवं प्रतिष्ठानों के चिन्हित प्रभावित हिस्सों को हटाने की कार्यवाही कर रहे हैं, जिससे चौड़ीकरण कार्य को गति मिल रही है। निगम आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि रहवासियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य को शीघ्रता से आगे बढ़ाया जाए।

गाड़ी अड्डा-निकास चौराहा मार्ग चौड़ीकरण प्रारंभ- गाड़ी अड्डा से निकास चौराहा तक लगभग 1 किलोमीटर लंबे मार्ग को 18 मीटर चौड़ा किया जाना है। मार्ग पर चौड़ीकरण कार्य प्रारंभ हो चुका है तथा रहवासियों द्वारा चिन्हित

प्रभावित हिस्सों को स्वयं हटाने की कार्यवाही की जा रही है। साथ ही नगर निगम द्वारा नाली निर्माण का कार्य भी प्रचलित है। बंबई वाले की धर्मशाला- दानी गेट मार्ग- बंबई वाले की धर्मशाला से दानी गेट तक लगभग 470 मीटर लंबे मार्ग को 18 मीटर चौड़ा किया जाना है। यहां भी क्षेत्रवासियों द्वारा सहयोग करते हुए अपने मकानों के चिन्हित हिस्से स्वयं हटाए जा रहे हैं, जिससे मार्ग चौड़ीकरण कार्य को आगे बढ़ाने में सुविधा मिल रही है। गुदरी चौराहा-पानदरीबा होते हुए हरसिद्धि पाल मार्ग तक कार्य प्रारंभ गुदरी चौराहा से पानदरीबा होते हुए हरसिद्धि पाल तक लगभग 570 मीटर लंबे मार्ग को 15 मीटर चौड़ा किया जाना है। इस मार्ग का धार्मिक एवं यातायात की दृष्टि से विशेष महत्व है। यह मार्ग बाबा महाकाल की सवारी के साथ-साथ सिंहस्थ की पेशवाई के प्रमुख मार्गों में शामिल है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए आवागमन एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से चौड़ीकरण कार्य प्रारंभ किया गया है।

सेवा ज्योति यात्रा व आगामी कार्यक्रमों को लेकर भाजपा की बैठक संपन्न

7 अक्टूबर को आस्था गार्डन से शहीद पार्क तक निकलेगी सेवा ज्योति यात्रा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा कार्यालय पर आगामी कार्यक्रमों को लेकर नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सेवा ज्योति यात्रा की तैयारियों, बूथ स्तर पर सहभागिता, लाभार्थियों की भागीदारी तथा सामाजिक संस्थाओं को जोड़ने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा के अनुसार बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने तथा सेवा, सहभागिता और सामाजिक सरोकारों को अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से 'सेवा ज्योति यात्रा-विकसित भारत का संकल्प' सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में 7 अक्टूबर को प्रातः 9-30 बजे सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा में नगर के प्रत्येक मंडल से प्रत्येक बूथ से कार्यकर्ताओं, लाभार्थियों की सहभागिता रहेगी। कार्यकर्ता एवं लाभार्थी आस्था गार्डन पर एकत्रित होंगे, इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी



का लाइव संबोधन भी कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित जनसमुदाय द्वारा सुना जाएगा। उसके पश्चात जनप्रतिनिधियों, अतिथियों द्वारा सेवा ज्योति यात्रा का शुभारंभ होगा।

यात्रा आस्था गार्डन से प्रारंभ होकर पैदल शहीद पार्क तक पहुंचेगी, जहां यह कार्यक्रम सेवा संकल्प सभा के रूप में सम्पन्न होगा। कार्यक्रम में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों की विशेष सहभागिता रहेगी।

भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। 'सेवा से संकल्प और संकल्प से विकसित भारत'

की भावना के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएगा।

सेवा ज्योति यात्रा में शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं, मंडल पदाधिकारियों, पार्षदों एवं लाभार्थियों की सहभागिता रहेगी। भाजपा द्वारा इस आयोजन को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने के लिए बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में भाजपा नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, विधायक श्री अनिल जैन, कलाहेड्डा, निगम सभापति श्रीमती कलवती यादव, सिंहस्थ प्राधिकरण अध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल, उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी, श्री प्रभुलाल जाटवा, श्री रूप पमनानी, श्री जगदीश पांचाल, श्री आनंद सिंह खोँची सहित नगर पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जानकारी मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा द्वारा दी गई।

रविवार को तालाब में डूबा 15 साल का दीपक, सर्चिंग के बाद सोमवार को मिला शव



उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निनोरा टोल टैक्स के पास ग्राम निनोरा के तालाब में रविवार को गाय चराते समय 15 वर्षीय दीपक राठौर डूब गया था। लगातार 10 घंटे की सर्चिंग के बाद सोमवार को एसडीआरएफ की टीम ने उसका शव निकाला।

तालाब में किशोर के डूबने की सूचना मिलते ही होमगार्ड की एसडीईआरएफ टीम मौके पर पहुंची और तालाब में सर्चिंग शुरू की। तालाब की गहराई 60 से 70 फीट होने और दीपक के डूबने की सही जगह स्पष्ट नहीं होने से तलाश में काफी परेशानी आई। इधर जानकारी मिलने के बाद कंट्रोल रूम उज्जैन से 6 सदस्यीय एसडीईआरएफ टीम निनोरा पहुंची। जवानों ने गोताखोरी और बिलाई के जरिए करीब 6 घंटे तक लगातार तालाब खंगाला, लेकिन दीपक का पता नहीं चल सका। गहराई और डूबने की संभावित जगह स्पष्ट नहीं होने के कारण सर्चिंग चुनौतीपूर्ण बनी रही।

दूसरी टीम पहुंची, डीप डाइविंग से मिली सफलता- इसके बाद डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट एसडीईआरएफ के निर्देश पर 6 जवानों की दूसरी टीम आधुनिक आपदा उपकरणों के साथ मौके पर भेजी गई। दोनों टीमों ने मिलकर तालाब के संभावित डूब क्षेत्र में डीप डाइविंग शुरू की। जवान लगातार सर्चिंग करते रहे। करीब 10 घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद सोमवार 5 अक्टूबर को दीपक का शव तालाब से बरामद कर लिया गया। मृतक की पहचान दीपक पिता मनोज राठौर, निवासी नवाखेड़ा के रूप में हुई है। गहरे पानी में लगातार डूटे रहे एसडीईआरएफ और होमगार्ड जवानों के प्रयासों की सराहना करते हुए डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट ने रेस्क्यू में शामिल जवानों को पुरस्कृत किया।

दुर्घटना में घायल की 7 दिन बाद मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क दुर्घटना में घायल का 7 दिन उपचार चल लेकिन जान नहीं बच पाई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। आगर जिले के भदवास का रहने वाला बाबूलाल पिता रामचंद्र विश्वकर्मा बाइक से बड़ोद गया था वापस लौटते समय उसे अज्ञात बहन ने टक्कर मार दी थी। घायल होने पर परिजन उसे उपचार के लिए उज्जैन लेकर आए थे जहां निजी अस्पताल में उपचार के दौरान 7 दिन बाद आज तड़के उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि बाबूलाल खेती किसानी करता था और एक बेटे का पिता था पुलिस के अनुसार मामले की जांच बड़ोद थाना पुलिस को भेजी जाएगी।

शिप्रा नदी से मिली युवक की लाश- रविवार दोपहर को लालपुल स्थित शिप्रा नदी से युवक की लाश बरामद की गई। महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि मृतक 35 से 40 वर्ष का था। लाश चार से पांच दिन पुरानी हो चुकी थी। उसके पास से पहचान का कोई दस्तावेज नहीं मिला। बांडी फूलने पर पोस्टमार्टम के बाद दफनाई गई है। पहचान के लिए आसपास के ग्रामीण थानों और जिलों की पुलिस गुमशुदा लोगों की जानकारी मांगी गई है।



नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

सीएम यूथ कॉन्क्लेव 2026

युवा सोच, नये अवसर, एक साझा मंच

प्रख्यात गायक
जुबिन नौटियाल
एवं कबीर कैफे बैंड
द्वारा
भव्य लाइव प्रस्तुति
प्रातः 10:00 बजे

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
के साथ

6 अक्टूबर, 2026 | पूर्वाह्न 11:00 बजे
लाल परेड ग्राउंड, भोपाल

**70+ स्टॉल, 15 विभागों
की संयुक्त भागीदारी**

युवाओं को अवसर, कौशल,
रोज़गार, नवाचार एवं
संभावनाओं से जोड़ने हेतु
समर्पित मंच

स्टार्टअप एवं उद्यमिता

युवा उद्यमियों के
फार्मास्युटिकल, मैनुफैक्चरिंग,
AI/मशीन लर्निंग और फूड
प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों के स्टार्टअप्स
की सहभागिता एवं प्रस्तुति

युवा नवाचार एवं प्रदर्शनी

AI, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन
टेक्नोलॉजी, विज्ञान एवं
नवाचार, कृषि क्षेत्र में रोज़गार,
फ्यूचर रेडी एजुकेशन और
टेक्नोलॉजी पर केन्द्रित

**सार्वजनिक एवं निजी
विश्वविद्यालयों की
सहभागिता**

विश्वविद्यालयों द्वारा कैरियर
मार्गदर्शन, नवाचार, उद्यमिता,
तकनीकी शिक्षा एवं रोज़गार के
अवसरों की जानकारी

**कैरियर एवं कौशल के
अवसर**

कौशल विकास, कैरियर
मार्गदर्शन और रोज़गार से जुड़ी
जानकारी एक ही स्थान पर

**शासकीय योजनाओं की
जानकारी**

पात्रता, पंजीयन, आवेदन
प्रक्रिया, प्रशिक्षण और उपलब्ध
सुविधाओं से संबंधित स्टॉल